डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 42 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर >> गुरूवार 21 अप्रैल, 2022

भाजपा सामाजिक न्याय पखवाड़ा या तैयार हो रहा चुनावी अखाड़ा

आगामी चुनावी तैयारियों के सन्दर्भ में : क्या अब भी कांग्रेस की कुम्भकर्णी नींद नहीं उड़ा रहा बीजेपी का लगातार बजता हुआ चुनावी नगाड़ा

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। 6 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मोदी जी के निर्देश नेतृत्व में बीजेपी सामाजिक न्याय पखवाड़ा चल रहा है। अचानक से बीजेपी प्रदेश मुख्यालय में गतिविधियों ने तेज गति पकड़ ली है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां से लेकर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद सीपी जोशी, बीजेपी प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा, भाजपा मंत्री अलका गुर्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभुलाल सैनी, पूर्व मंत्री एवं विधायक वासुदेव देवनानी, भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, दौसा सांसद जसकौर मीणा, सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने इस सामाजिक न्याय पखवाड़े में भाजपा की उपलब्धियाँ व सशक्त गतिविधियाँ विस्तार से मीडिया के सामने बारी-बारी रखी। यह सामाजिक न्याय पखवाड़ा आगामी चुनाव की नींव मजबूत कर रहा है। राज्य में कांग्रेस का शासन होने के बावजूद ऐसा लगता है कि कांग्रेस कुम्भकरण की नींद सो रही है और भाजपा अखाड़े में नगाड़ा बजाकर सोई हुई जनता को ही नहीं जगा रही अपने कार्यकर्ताओं में भी जोश भर रही है। यह तो वक़्त बताएगा कि ऊँट किस करवट बैठेगा लेकिन भाजपा में हो रही लगातार सकारात्मक गतिविधियाँ, जनसम्पर्क, मीडिया से लगातार रूबरू होना बीजेपी का पैर मज़बूत कर रहा है। इधर माननीय मुख्यमंत्री गहलोत मान बैठे हैं कि आगामी सत्ता का सेहरा भी कांग्रेस के सिर पर ही सजेगा। लेकिन अग्रीम तैयारियाँ अभी तक गति नहीं पकड़ पाई है और तो और मुख्यमंत्री जी के कद्दावर नेता किसी ना किसी घोटाले में या मामले में रोज़ कटघरे में खड़े हो रहे हैं।

निःसन्देह गहलोत की राजनीति बेहद संयमित, सौम्यता और सदभाव का प्रतीक है लेकिन जनता को अपने काम और सरकार द्वारा मिलने वाली योजनाओं से सरोकार होता है। अभी भी वक़्त है कि कांग्रेस सरकार अपने झंडे गाड़ने की तैयारी शुरू करें।

राजधानी के भाजपा मुख्यालय पर लगातार हो रही प्रेस कान्फ्रेंस भले ही सामाजिक न्याय पखवाड़े के नाम पर आयोजित की गई किन्तु साफ़ ज़ाहिर होता है कि केन्द्र ने प्रदेश में अपनी पकड़ बनाना शुरू कर दिया है। प्रदेश मुख्यालय पर हुई 06 अप्रैल से 20 अप्रैल तक की मुख्य प्रेस वार्ताएँ एक नज़र में...

केंद्र हर वर्ग के लिए कार्य कर रहाः अरुण चतुर्वेदी

09 अप्रैल को पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार बनने के बाद और उसी चुनाव के समय भी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बात को दोहराया था, सबका साथ सबका विकास और साथ ही अन्त्योदय की संकल्पना के साथ सरकार की जितने भी फ्लैगशिप स्कीम हैं, उनको हम नीचे तक पहुंचायेंगे और आगे तक उसका लाभ मिले, इसको सुनिश्चत करने की बात कही है, उसमें जो प्रमुखता से जो चीज थी, जनधन के बैंक खाते खोलेंगे, प्रत्येक गांव में 2014 की स्थिति थी, उस समय तक सब गांवो में बिजली कनेक्शन नहीं पहुंचे थे तब तय किया था कि प्रत्येक गांव में हम बिजली कनेक्शन पहुंचायेंगे, जो 2018 तक टार्गेट को पूरा किया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हर व्यक्ति को आवास का सपना प्रधानमंत्री ने पूरा भी किया।

केन्द्र की जनहितकारी नीतियाँ कोरोना से उभार लाई : राठौड़

13 अप्रैल को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जब पूरी दुनिया में कोरोना महामारी के समय विकसित और विकासशील देशों की हालत खराब थी, उस समय भी भारत देश की स्थिति नियंत्रण में थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'कोई भी भूखा नहीं सोए' का नारा दिया। राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण के तहत पिछले ढाई साल के अंदर 80 करोड़ से ज्यादा प्रत्येक परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को 5 किलो राशन साम्रगी घर तक निःशुल्क पहुंचाया है। यूपीए सरकार के शासनकाल में गरीबी हटाओं केवल नारे लगे, मोदी सरकार धरातल पर योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने पहले दिन से ही कहा कि हम सत्ता के लालच से नहीं आए हम सेवा करने के लिए आए है और इसका नतीजा है कि हमारी सरकारें रीपिट हो रही है लोकतंत्र में जनता का मैनडेट सबसे बडा सबूत होता है, जो स्पष्ट करता है कि देश में विकास करने वाली सरकार है और उसी पर वोट पडता है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश मीडिया संयोजक पंकज जोशी, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक पंकज मीणा मौजूद रहे।

किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं केंद्र की प्राथमिकता : माधोराम चौधरी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी ने 10 अप्रैल को बताया कि 2014 से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने है, तब से किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं ला रहे हैं। किसान देश की रीढ़ की हड्डी है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसान सम्मान निधि की राशि बैंक खाते में आने से किसानों को सम्बल मिल रहा है। मोदी सरकार के द्वारा किसानों को उनकी फसल का उचित समर्थन मूल्य दिया जा रहा है तथा किसानों की आय दुगुनी की गई। कृषि जिंसो पर इस बार एमएसपी पूरी मिल रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड बडी संख्या में बनाऐ गये। प्रधानमंत्री वाजपेयी ने 1998 में किसानों के लिए केसीसी शुरू की, मोदी ने अलग से फंड देने का काम किया है। माधो राम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जैविक खेती को बढाने के लिए कई प्रकार के नवाचार किए। प्रेसवार्ता में प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, मीडिया संयोजक पंकज जोशी, किसान मोर्चा महामंत्री ओ पी यादव, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक अशोक सिंह शेखावत एवं सहकारिता सह-संयोजक राजेन्द्र मीणा मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान बढ़ा रहा देश का मान : रामलाल शर्मा

भाजपा प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने 18 अप्रैल को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आमजन की पीड़ा को महसूस करते हुए 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान चलाया। लाल किले से प्रधानमंत्री ने कहा कि अपराध की घटनाएं घटित होने का एक कारण घरों में शौचालय का नही होना, अंधेरे का इंतजार करना है। 2 अक्टूबर 2019 तक खुले में शौच मुक्त घोषित हो गया। कचरे का निस्तारण करने के लिए ओडीएफ प्लस के तहत 53 हजार गाँवों में कार्य चल रहा है। देश में जहां पहले 25 हजार टन कचरा निस्तारण किया जाता था वहीं आज 1 लाख टन कचरा निस्तारण किया जा रहा है। इस अभियान को और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए घर-घर से कचरा एकत्रण एवं निस्तारण करने के लिए 2.50 लाख संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। प्रदेश में 76 लाख शौचालय निर्माण का कार्य स्वच्छ भारत अभियान के तहत हुआ है। केन्द्र सरकार जो घोषणा करती है उन योजना में उसी समय तत्कालीन बजट का प्रावधान भी करती है। शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री की मन की इच्छा है कि प्रकृति के साथ व स्वच्छता को हम जीवन में आत्मसात करें। 14 लाख गांव में बेहतरीन सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रबंधन अभियान भी आम आदमी के जीवन में आ चुका है।

185 करोड़ लोगों का वैक्सीनेशन हुआः वासुदेव देवनानी

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंत्री व विधायक वासुदेव देवनानी ने 12 अप्रैल को मीडिया को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में कोविड वैक्सीनेशन का अभियान चलाया गया, विश्व में ब्रिटेन के बाद भारत के वैज्ञानिकों ने कुछ माह में ही दो स्वदेशी वैक्सीनेशन का निर्माण व उत्पादन कर, टीकाकरण के लिए टास्क फोर्स गठित कर टीकाकरण किया गया। इन प्रयासों से देश में सबसे बडा और सबसे तेज वैक्सीनेशन अभियान भारत में हुआ। देश में अभी तक 185 करोड़ लोगों का टीकाकरण हो चुका है एवं वैक्सीन का पर्याप्त स्टोरेज है। 12 साल से 15 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण अभियान भी चल रहा है। देवनानी ने बताया कि केन्द्र सरकार प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कोरोना से लड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाई हुई थी। प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधिच, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक पंकज मीणा, अशोक सिंह शेखावत मौजूद रहे।

दलितों व आदिवासियों का गौरव बढ़ायाः जसकौर मीणा

भारतीय जनता पार्टी की दौसा सांसद जसकौर मीणा ने 15 अप्रैल को प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की जनजाति वर्ग के लिए चलाई जा रही योजना का लाभ एवं उपलब्धियों के बारे में बताया। मोदी सरकार दुनिया भर में कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही पिछले 8 वर्षो से देश के गरीब तबके विशेषकर अनुसूजित जाति, जनजाति, अन्य दलित समाज के उत्थान के लिए काम कर रही है। देश में एससी/एसटी परिवारों के लिए 3 करोड़ गैस कनेक्शन, 1 करोड़ 60 लाख पक्के घर, जल व बिजली के कनेक्शन मोदी सरकार द्वारा दिये गए। साथ ही जनधन खातों व किसान कल्याण खाते या अन्य सभी योजनाओं का शत प्रतिशत पैसा दलित व आदिवासी लोगों के खातों में सीधा पहुंच रहा है। जम्मू-कश्मीर राज्य से धारा 370 हटाकर जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। मोदी सरकार बाबा साहब के सामाजिक समरसता के सपने को साकार कर रही है, जबकि 70 सालों से कांग्रेस शासनकाल में दलित व पिछडे वर्ग को केवल वोट बैंक ही समझा गया।

फुले के सपनों को पूरा करना मोदी का ध्येयः प्रभुलाल सैनी

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ नेता प्रभुलाल सैनी ने 11 अप्रैल को कहा कि सभी साथियों को आज महात्मा ज्योतिबा फुले की 195 वीं जन्म जयंती पूरे देश में हर्षोल्लास से मनाई जा रही है। भारत सरकार के द्वारा भी सामाजिक न्याय पखवाड़ा भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पूरे देश में मनाया जा रहा है, सामाजिक न्याय का जहां तक संबंध रहा है वह महात्मा ज्योतिबा फुले के द्वारा दलितों, अछूतों, पीड़ितों, महिलाओं, शिक्षा व मजदूरों के उत्थान के लिए कार्य किये है। फुले ने 1873 में पहला अखबार दीनबंधु निकाला और समाज में कुरीतियों दलितों के उत्थान के लिए ऊँच-नीच, अशिक्षा जैसी कुरीतियों को हटाने व कमीयों को दूर करने का काम किया उनका का प्रचार प्रसार किया। भाजपा पंचनिष्ठा के साथ एकात्मक विचार के साथ काम करती है। भाजपा अल्पसंख्यक, पिछड़े, दलित व महिलाओं और सब धर्मों को साथ लेकर भाजपा समान दर्जा देने का काम करती है। महात्मा फुले के बाद डॉ भीमराव अम्बेडकर ने जब संविधान लिखा तो उससे पहले तीन गुरू बनाए पहला महात्मा बुद्ध को अपना धार्मिक गुरू माना, दुसरा आध्यात्म के रूप में कबीर को और महात्मा फूले को सामाजिक गुरू के रूप में स्वीकार किया। भारत सरकार ने शिक्षा नीति बनाई। भाजपा ने शिक्षा नीति बनाकर एकात्मक वाद का विजन लिया महात्मा फुले गांव के मजदूर हितैषी थे मजदूर यूनियन, महिलाओं, बालिकाओं, गरीबों के दलितों के हितैषी थे। हमारी शिक्षा व्यवस्था इसलिए बनी ताकि एक संविधान हो एक देश हो इस बात को लेकर शिक्षा नीति बनी।

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

तो क्या यज्ञमित्र सिंह पूर्व आयुक्त नगर निगम ग्रेटर ने अपने कार्यकाल में ग्रेटर में कोई काम नहीं किया?

यज्ञमित्र सिंह
पूर्व (IAS) आयुक्त नगर निगम ग्रेटर

महेन्द्र सोनी
(IAS) आयुक्त नगर निगम ग्रेटर

नगर निगम ग्रेटर में आयुक्त की गद्दी पर विराजमान होते ही आयुक्त मेहन्द्र सोनी बोले-'अब सिर्फ़ काम होगा।'

तो क्या पूर्व ग्रेटर नगर निगम आयुक्त यज्ञमित्र सिंह ग्रेटर नगर निगम में सरकारी वेतन-भत्ते पर सिर्फ़ मौज कर रहे थे ?

क्या उनके कार्यकाल में काम बिल्कुल नहीं हुआ और अगर नहीं हुआ तो सरकार ने अब तक चुप्पी क्यों लगाई? एक तरफ़ निगम में तनख़्वाह बाँटने का पैसा नहीं है और एक तरफ बिना काम के आयुक्त, अधिकारी, कर्मचारी अपना कार्यकाल पूरा करके चलते बन रहे हैं भारी भरकम तनख़्वाह उठाकर!

अगर काम हुआ है तो नए नगर निगम ग्रेटर आयुक्त महेंद्र सोनी जो कि सीनियर अफसर है उनका यह वाक्य कह जाना उचित है?

सरकार के ही वाशिंदे शासन और प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। यूँ तो किसी आईएएस अधिकारी के विरुद्ध यह माहौल बनना ही आम जनता में शासन-प्रशासन के प्रति अविश्वास पैदा करता है और तो और इन उच्चासीन पदों की गरिमा को भी खंडित करता है। राजधानी के दोनों ही निगम ग्रेटर व हेरिटेज में लगातार अधिकारियों के बीच, अधिकारी कर्मचारी के बीच ऐसी टीका-टिप्पणी, आपसी मतभेद या गृह युद्ध निगम की छवि को लगातार धूमिल कर रहे हैं।

91/6 प्रताप नगर, सांगानेर

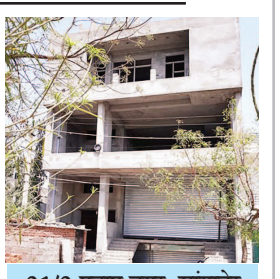

91/9 प्रताप नगर, सांगानेर

क्या ग्रेटर निगम के नव आयुक्त महेंद्र सोनी अवैध निर्माणों पर शिकंजा कसकर ग्रेटर में अधूरे पड़े कामों को दे सकेंगे तेज़ गति?

आयुक्त महेंद्र सोनी कहते हैं कि अब काम होगा तो ग्रेटर निगम के एरिया में जहाँ उनके अधीनस्थ अधिकारी उपायुक्त सभी जोनों में तैनात हैं वहाँ धड़ल्ले से अवैध निर्माण चरम पर हैं। अवैध निर्माणकर्ता आवासीय भूमि पर कामर्शियल बिल्डिंग, दुकानें बनाकर लाखों कमा रहे हैं और ग्रेटर में कोई हलचल नहीं और अगर हलचल हो भी जाये तो कुछ दिनों बाद मूक सहमति में तब्दील हो जाती है,या तो दबाव से या प्रभाव से या फिर मेल-मिलाप से। क्या ग्रेटर निगम के नए आयुक्त सोनी शिकंजा कस सकेंगे ऐसे माफ़ियाओं का?

क्या उपायुक्तों को पाबंद कर सकेंगे कि वे कड़ी कार्यवाही कर सील बन्द करें इन अवैध निर्माणों को। कागज़ी नोटिस नहीं बल्कि ध्वस्त कर सकेंगे ये अवैध निर्माण और अतिक्रमण?

'अब काम होगा' की तर्ज़ यदि वास्तविक हुई तो काम होगा और ज़ोर शोर से होगा जेडीए के अतिक्रमण अभियान की तरह। अन्यथा ढर्रा तो बिगड़ा हुआ है ही! सांचे में ढल गए तो बंटाधार ही निश्चित है ग्रेटर नगर निगम जयपुर का, और अगर साँचें बदल गए तो महेंद्र सोनी भी महेन्द्र सिंह धोनी की तरह धुरंधर और ऐतिहासिक पुरुष बन जाएंगे।

173/199
प्रताप नगर, जगतपुरा जोन
नगर निगम जयपुर ग्रेटर

केंद्र के कुशल वित्तीय प्रबंधन से आर्थिक संपन्नता बढ़ रहीः भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी

17 अप्रैल को जोशी ने बताया की नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक निर्णय हुए हैं जिसके कारण एक देश एक कर इस योजना को लेकर जो प्रधामंत्री जी इच्छाशक्ति थी, कई प्रकार के करों में भिन्नता थी पूरे देशभर में उनको एक देश-एक कर में पिरोने का काम किया। पिछले कई वर्षों में 2022-23 जो हमारा बजट था लगभग 39लाख करोड़ पहुंच गया, जबकि यही बजट हम 13-14 का उठाकर देखें, पिछली सरकार का बजट उठाकर देखें जो लगभग 16.65 लाख करोड़ था लगभग ढाई-तीन बजट 13 से लेकर 14 से 22-23 में इस सरकार ने बढ़ाने का काम किया और इतना ही नही केन्द्र की जितनी स्कीम है, चाहे हेल्थ को लेकर हो चाहे टूरिज्म को लेकर हों, चाहे एग्रीकल्चर को लेकर हो चाहें रेलवे को लेकर हो हर सेक्टर में ढ़ाई से लेकर तीन गुणा, किसी-किसी में दोगुना और 4 गुन तक बजट बढ़ा है, हम लोग देखें तो चाहे बात सब्सिडी की हो चाहे नरेगा में हो, नरेगा को जिसको देश में आम आदमी के रोजगार का एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है, उसमें 33 हजार करोड़ पहले 13-14 में बजट हुआ करता था,जो भी खर्च नहीं हो पाता था 33 हजार करोड़ होते हुऐ भी इस सरकार में पूरा का पूरा बजट कुशल प्रबंधन के कारण खर्च भी होता है और लोगों को रोजगार भी मिलता है। और आज 22-23 में बजट बढ़कर 73 हजार करोड़ हुआ है।

राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना एक वरदानः भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर

19 अप्रैल को प्रेस वार्ता में अलका गुर्जर कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा कुपोषण से निपटने के लिए 8 मार्च 2018 को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। अलका गुर्जर ने कहा कि पोषण अभियान गरीब क्षेत्रों में बच्चों, महिलाओं और गर्भवती माताओं के पोषण को सुनिश्चित करने पर केन्द्रित है कुपोषण, अल्पपोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन को प्रतिवर्ष कम करना है और एनीमिया मुक्त भारत हो इसकी शुरूआत हमने की है। 2021-22 के अंर्तगत इस राष्ट्रीय पोषन मिशन के तहत लगभग 2 करोड़ रूपये खर्च हो चुके है। प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के तहत एनीमिया की जांच और उपचार प्रत्येक माह की 9 तारीख को, गर्भवती महिलाओं की सुरक्षित डिलिवरी, स्त्रपान एवं अच्छा पोषण देने के लिए 5000 हजार रूपये दिए जाते है। साथ ही अलका गुर्जर ने बताया कि कोरोना के दौरान भी बच्चों के पोषण की चिंता करते हुए नरेन्द मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के साथ ही मिड डे मील कार्यक्रम को समावेशित किया।

मोदी सरकार के नेतृत्व में 'सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास' पंक्ति बनी देश का मूलमंत्रः डॉ. किरोड़ी लाल मीणा

राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने 20 अप्रैल पखवाड़ा के समापन पर राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि, मोदी सरकार के नेतृत्व में गांधी जी द्वारा 1930 में चलाए गए नमक सत्याग्रह की तारीख 12 मार्च के ही दिन आजादी के अमृत महोत्सव अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के लिए गृहमंत्री अमित शाह जी के अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय क्रियान्वयन बनाकर 15 अगस्त 2022 को 75 वीं वर्षगांठ से 1 साल पहले यानी 15 अगस्त 2021 से 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रमों की शुरुआत हुई, जिसमें देश की अदम्य भावना के उत्सव दिखाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। देश के 10 राज्यों में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का निर्माण किया जाना, देश के 75 ज़िलों में डिजिटल बैंकिंग स्थापित करने का ऐलान, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण व ग्रेनाइट की बनी उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित किया, 11 से 15 अगस्त 2022 को हर घर झंडा फहराने का अभियान, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, डिजिटल जिला भंडार, स्वतंत्र स्वर और मेरा गांव मेरी धरोहर जैसे अनेक कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित किए गए।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर >> गुरूवार 21 अप्रैल, 2022

संपादकीय

यूक्रेन संकट पर कुछ असहमति के बावजूद भारत और अमेरिका के रिश्ते सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं

भारत और अमेरिका के रक्षा एवं विदेश मंत्रियों के बीच गत सप्ताह हुआ टू प्लस टू संवाद इसका उदाहरण है कि यूक्रेन पर रूसी हमले के कारण द्विपक्षीय संबंधों के पटरी से उतरने की आशंका निर्मूल सिद्ध हुई। इसी मंच पर भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक बयान भी बहुत चर्चित हुआ। जयशंकर ने अमेरिका को आईना दिखाते हुए भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर अपनी मंशा स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि भारत महीने भर में जितना तेल रूस से आयात कर रहा है, उससे अधिक तेल तो यूरोपीय देश एक दुपहरी में खरीद लेते हैं। तमाम भारतीयों ने इसे उस अमेरिकी दबाव का करारा जवाब माना, जो यूक्रेन को लेकर वाशिंगटन लगातार नई दिल्ली पर डालता दिखाई दे रहा था। वहीं अमेरिका में तमाम लोग इसे यूरोप में लगातार बदतर हो रहे हालात के बावजूद रूस के मामले में भारत द्वारा अपनी अलग नीति अपनाने के तौर पर देखेंगे। वस्तुत- जयशंकर का बयान यही जाहिर करने वाला था कि यूरोप के इस संकट को भारत और अमेरिका अपने-अपने नजरिये से देख रहे हैं।

इस वार्ता को टू प्लस टू के बजाय थ्री प्लस थ्री कहना कहीं ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि इसमें नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी वर्चुअली शामिल हुए। इस वार्ता से यही संदेश निकला कि कुछ मुद्दों पर असहमति के बावजूद दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र किसी परस्पर स्वीकार्य समाधान की दिशा में मिलकर काम करने को तैयार हैं। रूस-यूक्रेन टकराव को लेकर हाल के दिनों में भारत-अमेरिका में मतभेद से जुड़ी जो सुर्खियां छाई रहीं, उसके उलट भारत और अमेरिका ने हाल के वर्षों में परवान चढ़ी मित्रता को और प्रगाढ़ बनाने की प्रतिबद्धता जताई। स्पष्ट है कि दोनों देश व्यापक रणनीतिक परिदृश्य को अनदेखा नहीं कर रहे।

निःसंदेह यूक्रेन पर रूसी हमले के वैश्विक निहितार्थ होंगे और उसके दुष्प्रभावों से बचना मुश्किल है और यही कारण है कि भारत-अमेरिका वार्ता के एजेंडे में इस पर व्यापक चर्चा हुई। हालांकि वास्तविकता यही है कि आज दोनों देशों की साझेदारी का दायरा अत्यंत विस्तृत हो गया है। इनमें कोविड-19 महामारी से निपटना, महामारी के बाद आर्थिक रिकवरी, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, महत्वपूर्ण एवं अभिनव तकनीक, आपूर्ति शृंखला, शिक्षा, भारतवंशियों से जुड़े और सामरिक विषय शामिल हैं। इस साझेदारी का दायरा व्यापक होने के साथ ही उसमें खासी गहराई भी है। सहयोग में बढ़ोतरी की रफ्तार भी बहुत तेज है। यह साझेदारी अपने आप में इस कारण और अनूठी है कि जहां इसमें रणनीतिक-राज्य स्तरीय सहयोग जारी है, तो वहीं लोगों के स्तर पर भी सक्रियता बढ़ रही है।

टू प्लस टू वार्ता में कई ठोस मुद्दों पर बात आगे बढ़ी। दोनों देशों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। इसमें आउटर स्पेस, साइबर स्पेस और इस मोर्चे पर सामरिक क्षमताओं के विकास को लेकर चर्चा हुई। रक्षा साझेदारी पर अमेरिकी रक्षा मंत्री लायड आस्टिन ने कहा कि दोनों देशों नें हंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सेनाओं की परिचालन पहुंच एवं सहयोग बढ़ाने के नए अवसर तलाशे हैं। उन्होंने सीमा पर चीन द्वारा बुनियादी ढांचे के दोहरे इस्तेमाल का उल्लेख किया। साथ ही भारत के संप्रभु हितों की सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस वार्ता के दौरान दो साथियों में किसी मतभेद के नहीं, बल्कि उनके सहमति बनाने के ही स्वर सुनाई पड़े।

यूक्रेन संकट को लेकर भारत और अमेरिका के बीच मतभेद काफी समय से स्पष्ट हैं। आखिरकार दोनों देशों के रिश्तों में रूस कोई नया पहलू नहीं है। भारत-रूस रक्षा साझेदारी का पहलू लंबे समय से प्रभावी रहा है। रूस से एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद का पेच दोनों देशों के बीच लंबे समय से फंसा रहा। उसे काटसा कानून की कसौटी से गुजरना पड़ा। हालांकि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अभी तक भारत पर किसी संभावित प्रतिबंध या संभावित रियायत को लेकर स्पष्टता नहीं दर्शाई। यह वाशिंगटन में इस बात के स्पष्ट संकेत का प्रतीक है कि भारत पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध रिश्तों को दशकों पीछे ले जाएगा। साथ ही इससे भारत में वह बहस फिर जोर पकड़ेगी कि एक साझेदार के रूप में अमेरिका पर कितना भरोसा किया जा सकता है।

एक प्रकार से यूक्रेन संकट ने भारत-अमेरिका साझेदारी के लिए नए द्वार खोले हैं। अमेरिकी उप-विदेश मंत्री विक्टोरिया न्यूलैंड ने भारत यात्रा के दौरान स्वीकार किया कि रक्षा आपूर्ति के लिए रूस पर भारत की निर्भरता भी तार्किक है, जो उस विरासत का परिणाम है, जब सोवियत संघ और रूस ने भारत को रक्षा सहयोग उपलब्ध कराया, जिस दौर में अमेरिका भारत के प्रति उतना उदार नहीं था। वहीं अब इस द्विपक्षीय सक्रियता से जुड़ी नई वास्तविकताओं को देखते हुए समय की मांग है कि अमेरिका तकनीकी हस्तांतरण के साथ भारत को रक्षा उत्पादन आधार विकसित करने में सहायता के अलावा सह-उत्पादन एवं सह-विकास की दिशा में आगे बढ़े। आत्मनिर्भर भारत ही सही मायनों में रणनीतिक रूप से स्वायत्त होगा। वर्तमान संकट दोनों देशों के लिए नई संभावनाओं को समझने का पड़ाव बने। यूक्रेन पर भारत के रुख को तटस्थ या गुटनिरपेक्ष बताया जा रहा है। हालांकि यह पुराने जमाने वाली गुटनिरपेक्षता नहीं है। साथ ही भारत इस अवसर का उपयोग अपने हितों की पूर्ति में भी कर रहा है। फिर चाहे अमेरिका को रक्षा साझेदारी पर नए सिरे से विचार करने के लिए उन्मुख करना हो या फिर अपने आर्थिक हितों की पूर्ति के लिए रूस से सस्ता तेल खरीदना। दूसरी ओर भारत का यह रुख एकदम स्पष्ट है कि वह यूक्रेन की क्षेत्रीय संप्रभुता, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को सम्मान देने की बात कर रहा है। यह अमेरिका की खुशामद के लिए नहीं, बल्कि अप्रत्याशित बदलाव से गुजर रही अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में भारत के उभार का प्रतीक है। आज अमेरिका और भारत वास्तविक अर्थों में रणनीतिक साझेदार हैं। यह भी सच है कि परिपक्व शक्तियों के बीच साझेदारी कभी पूर्ण एकरूपता में नहीं परिवर्तित हो पाती। इसका सरोकार निरंतर संवाद के माध्यम से मतभेदों को दूर कर नए अवसर तलाशने से होता है।

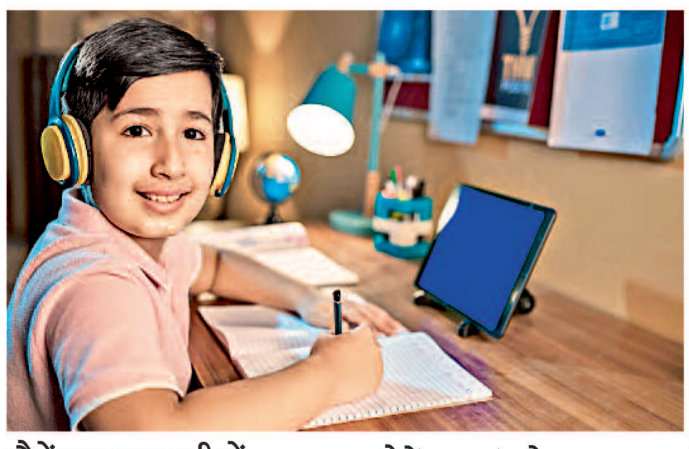

कहीं साइबर इनसिक्योर तो नहीं आपका बच्चा

साइबर सिक्योरिटी इन दिनों में बड़ा मुद्दा है. खबरों, जानकारियों के विभिन्न स्रोतों की उपलब्धता के बावजूद आए दिन लोग हैकर्स के चंगुल में फंस जाते हैं. इससे भी बड़ी बात यह है कि ऑनलाइन क्लासेज सहित बच्चों में बढ़े स्मार्टफोन इस्तेमाल के चलते वे हैकर्स के निशाने पर रहते हैं. साथ ही उन्हें गलत वेबसाइट्स, वेब चैटिंग या मैसेजिंग, गेमिंग जैसी लत भी पड़ सकती है.

पैरेंट्स खुद सीखें

बच्चे जिन एप्स का इस्तेमाल करते हैं, पैरेंट्स भी उन्हें सीखें. इससे बच्चों की एक्टिविटीज को ट्रैक करने में आसानी होगी. वे क्या पोस्ट करते हैं, यह भी देख पाएंगे. उनके साथ बैठकर उनके डिवाइस देखें. तकनीक के लिए बच्चों पर निर्भर न रहें. यह भी देखें कि बच्चा कितने अकाउंट का इस्तेमाल कर रहा है.

गेम खेलता है तो...

यदि बच्चे गेम्स खेलते हैं तो इसकी मॉनिटरिंग करें. देखें कि बच्चे कहीं पैसे लगाकर तो नहीं खेल रहे? इसके लिए अपने पेमेंट एप्स को मजबूत पासवर्ड से सुरक्षित करें. एटीएम कार्ड का पिन भी सेफ रखें. साथ ही फोन की एक्टिविटीज को भी ट्रैक करें.

पैरेंटल कंट्रोल अपनाएं

पैरेंटल कंट्रोल सेट करने के बाद एक्टिविटीज की विस्तृत रिपोर्ट देख सकते हैं. इसमें एक्टिविटी रेस्ट्रिक्ट करने वाली एप्लिकेशन के विकल्प भी चुने जा सकते हैं. यह विकल्प स्मार्टफोन व कंप्यूटर, दोनों में उपलब्ध है.

इस मामले को समझें

अजमेर निवासी 8वीं क्लास का एक स्टूडेंट स्मार्टफोन पर गेम खेल रहा था कि उसके फोन पर एक वीडियो के साथ एक अन्य गेम का लिंक आया. इस पर उसने क्लिक किया तो लिंक से एक एप उसके फोन पर डाउनलोड हुई. बच्चे ने इसे गेम समझा और एप ओपन होने के साथ ही इसमें मांगी गई फोटोज-कॉन्टेक्ट जैसी परमिशन उसने दे दी. एप पर एक मैसेज फ्लैश हुआ तो बच्चे ने उसे भी ओके कर दिया. इसके साथ ही बच्चे का स्मार्टफोन रिमोट माध्यम से स्विच हो गया. ऐसे कई मामले आए दिन सामने आते हैं जिनमें गेमिंग के दौरान जोखिमपूर्ण निर्णय लेने से कुछ बच्चों की जान तक चली गई. डेटा चोरी, मनी ट्रांसफर जैसे मामले भी आएदिन सामने आते रहते हैं.

ओपन रखें माइंडसेट

सोशल एप इस्तेमाल करने वाले बच्चों से खुले विचारों के साथ बातचीत करें. उन्हें फायदे-नुकसान समझाते हुए बताएं कि किस तरह की एक्टिविटीज दिमाग पर असर डाल सकती है या उन्हें किसी साइबर कानून के दायरे में ला सकती है. इसके लिए पैरेंट्स खुद भी सीखें. बच्चों के साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार करने से वे खुलकर अपनी समस्या रख पाएंगे. यदि बच्चे कोई गलती कर भी दें तो उन्हें डांटें नहीं, बल्कि समझाएं. 60 से 90 मिनट के लिए ही उन्हें इसे इस्तेमाल करने दें. ऑनलाइन क्लास के दौरान भी उन पर नजर रखें व नियम समझाएं.

इन टिप्स को भी देखें

बच्चों पर नजर रखें कि वह इंटरनेट या मोबाइल पर कितना समय बिता रहे हैं.

स्क्रीन टाइम सीमित करें

बच्चे जिन एप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, उन पर नजर रखें. उनके फोन का पासवर्ड आपको पता हो.

बच्चों के लिए विशेष 'यूट्यूब फॉर किड्स' व किड्स ब्राउजर काम में लें.

हेलिकॉप्टर पैरेंटिंग न करें. यदि हर समय बच्चों को टोकते हैं तो वे आपसे बातें छिपाने लगेंगे.

यदि बच्चे बातें छिपाएं तो विशेषज्ञ की राय लें.

नई तकनीक के प्रति आप खुद अपडेट व जागरूक रहें.

दुनिया भर में 15 अप्रैल को वर्ल्ड आर्ट डे (विश्व कला दिवस) मनाया जाता है. कला और संस्कृति को बढ़ावा देना, लोगों को कला के प्रति जागरूक करना इस दिन का उद्देश्य है. कला हमेशा से भावनाओं को अभिव्यक्ति करने का एक शक्तिशाली माध्यम रहा है. महामारी के बीच 'विश्व कला दिवस' हम सबके लिए बहुत ज्यादा महत्व रखता है. कला लोगों को डिप्रेशन से निपटने में मदद करती है.

कलाकारों को समर्पित वर्ल्ड आर्ट डे

भावनाओं को अभिव्यक्त करने का शक्तिशाली माध्यम कला

लिओनार्दो दा विंची की जयंती भी

दुनिया भर की कला को आज के दिन सेलिब्रेट किया जाता है. उन्हें सम्मानित किया जाता है. कला में रुचि रखने वालों को आज के दिन अपनी कला दिखाने का मौका दिया जाता है. दुनिया में रचनात्मक गतिविधि के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कला संघ और यूनेस्को इसको साथ मिलकर मनाते हैं. वर्ल्ड आर्ट डे पहली बार साल 2012 में मनाया गया था. क्योंकि इस दिन इटली के महान चित्रकार लिओनार्दो दा विंची की जयंती भी होती है. लिओनार्दो इटली के महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक, इंजीनियर और वैज्ञानिक थे. इन्हे कला का भंडार भी कहा जाता है. इस दिन का आधिकारिक सेलिब्रेशन संयुक्त राज्य अमेरिका के लॉस एंजिल्स में साल 2015 में किया गया था. वहीं साल 2017 में इस दिन को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ आर्ट ने अमेरिका में मान्यता दी. संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के मुताबिक विश्व कला दिवस को मनाने के पीछे का लक्ष्य समाज में कलात्मक अभिव्यक्तियों को दृढ़ता से एकीकृत करना है. लोगों को ये बताना है कि समाज के सतत विकास सुनिश्चित करने में कलाकारों का कितना महत्वपूर्ण योगदान होता है. इसके साथ ही 'वर्ल्ड आर्ट डे' से शैक्षणिक संस्थानों में कला को बढ़ावा मिलता है. इस दिन दुनिया भर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है. इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ आर्ट ने नए विचारों और कला को उजागर करने के लिए कलाप्रेमियों को इस अवसर का हिस्सा बनने और विभिन्न देशों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है.

अधिकार जताएं पर रिश्ते बचाएं

रिश्ते में तल्खी या अलगाव का कारण कई बार अधिकारों की लड़ाई भी होती है. हालांकि हक की मांग करना जायज है, फिर भी रिश्ता बचाना पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए. इस पर पार्टनर से बातचीत की जा सकती है.

तुलना करने से बचें

साथी की तुलना करना सहित बात-बात पर गुस्सा करना, नींद न ले पाना जैसी चीजें होने पर समझ लें कि रिश्ते में कहीं न कहीं दिक्कत है. इसे दूर करने के लिए साथी की तुलना करना बंद करें और स्थिति-परिस्थिति के अनुसार सामंजस्य दिखाएं. अधिकारों की मांग जायज है, लेकिन ध्यान रहे, रिश्ता भी बरकरार रह पाए.

साझा सम्मान

एक-दूसरे की भावनाओं का साझे तौर पर सम्मान करें. साथ ही उनके कारण समझने के प्रयास भी करें. आपसी संवाद से समाधान हो सकता है, लेकिन संवाद स्वस्थ हो.

ट्रस्ट रखें

विश्वास खो देना झगड़े का मुख्य कारण होता है. अतः साथी पर ट्रस्ट करें व इसे अपने व्यवहार में जाहिर करें. समस्या से भागें नहीं.

पॉजिटिव एंगल

यदि आप यह ठान लें कि किसी भी स्थिति में सकारात्मक ही रहना है तो सबकुछ सही हो सकता है. परिजनों के व्यवहार, दखल को भी पॉजिटिव रूप में ही लेने की कोशिश करें.

मदद भी लें

रिश्ते की पुनर्स्थापना के लिए मदद लेने में भी संकोच न करें. यह दोस्त या परिजन, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, फैमिली या रिलेशन थेरेपिस्ट से ले सकते हैं. दोनों ही समझें और अच्छे-बुरे पर विचार करें.

रिश्ते बचाएं

शुरुआती स्तर पर ही समस्याओं का पता करें. यह देखें कि दिक्कत कहां से और कैसे शुरू हुई. इसके बाद उनके सुधार की दिशा में काम करें.

फिर लौटा चेक ड्रेस का चलन

80 और 90 की दशक में चेक ड्रेस का काफी चलन था. उस समय के एक्टर-एक्ट्रेस फिल्मों में अक्सर चेक ड्रेस पहले नजर आते थे. फिर समय के साथ इनका फैशन खत्म होता चला गया. लेकिन कहते हैं न फैशन की दुनिया में कुछ भी स्थिर नहीं रहता. यही वजह एक बार फिर चेक आउटफिट नये डिजाइन और स्टाइल में फैशन की दुनिया में लौट आए हैं. हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स चेक ड्रेस को पार्टी से लेकर कैजुअल तक कैरी किए नजर आती रहे हैं.

चेक जंपसूट और क्रॉप टॉप

ऑफिस गर्ल्स और कॉलेज स्टूडेंट्स चेक पैटर्न के बने जंपसूट और क्रॉप टॉप पहनना पसंद करते हैं. यह ड्रेस उन्हें कूल और स्टाइलिश लुक देते हैं. मार्केट और ऑनलाइन दोनों जगह अलग-अलग डिजाइन के चेक जंपसूट और क्रॉप टॉप की ढेरो वेराइटी मौजूद हैं. हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा व्हाइट एंड ब्लू चेक जंपसूट पहने स्पॉट हुई थीं. उनके इस लुक को काफी पसंद किया गया था.

साड़ी और लहंगा

ज्यादातर चेक पैटर्न के वेस्टर्न ड्रेस ही देखने को मिलते हैं लेकिन यह पैटर्न इंडियन अटायर में भी छा चुका है. अगर आप एथनिक ड्रेस पहनने की शौकीन हैं तो अपनी अलमारी में चेक साड़ी और लहंगे को शामिल कर सकती हैं. चेक पैटर्न की बनी साड़ी और लहंगे दिखने में सिंपल और क्लासी लगते हैं. इन्हें आप दोस्तों की शादी-पार्टी में पहनकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच सकती हैं. बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन चेक साड़ी में नजर आई थीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही थीं.

सैंडिल और बैग

चेक से बने सैंडिल और बैग भी मार्केट में मौजूद हैं. इन्हें भी आप अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग करके कैरी कर सकती हैं.

एसेसरीज, ईयररिंग और मास्क

चेक पैटर्न केवल कपड़ों तक सीमित नहीं रहा. इसका दायरा विभिन्न एक्सेसरीज तक बढ़ गया है. मार्केट में चेक पैटर्न के बने ईयररिंग और मास्क भी आ चुके हैं. अपनी किसी भी चेक ड्रेस के साथ चेक ईयररिंग और मास्क मैचिंग करके पहन सकती हैं.

कुर्ती और पलाजो

कंफर्ट के लहजे से कुर्ती और पलाजो आजकल लेडीज की पहली पसंद बने हुए हैं. इस ड्रेस को न्यू लुक देने का मन हो तो आप चेक कुर्ती के साथ सिंपल प्लाजो या चेक प्लाजो ट्राई करें. आप चाहें तो चेक कुर्ती को लेगिंग या जींस के साथ भी कैरी कर सकती हैं. यह ड्रेस आपको स्टाइल के साथ क्लासी लुक देगी.

मैक्सी और फ्रॉक ड्रेस

लॉन्ग वेस्टर्न ड्रेस पहनना पसंद है तो आप चेक मैक्सी या फ्रॉक ड्रेस ट्राई करें. चेक पैटर्न की विभिन्न वेराइटी, कलर और डिजाइन में ये ड्रेस मार्केट में हैं.

जब खरीदें कारपेट

घर की सजावट के लिए लोग कई तरह की चीजें खरीदना पसंद करते हैं, उन्हीं में से एक है कारपेट. आजकल बाजार में कई तरह के फैब्रिक, रंग, डिजाइन और पैटर्न में कारपेट उपलब्ध हैं और ऐसे में किस तरह के कारपेट का चयन किया जाए, यह थोड़ा उलझन भरा है. जानते हैं कि कारपेट खरीदते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आपके घर के लिए कारपेट एकदम सही हो.

- जब बात खर्चे की हो तो सबसे पहले एक बजट तैयार करना अच्छा विचार हो सकता है. वैसे कारपेट की कीमत उसके स्क्वायर फीट के अनुसार होती है. बेहतर होगा कि आप ऐसा कारपेट चुनें, जिसे आसानी से साफ किया जा सके और आपके लिए महंगा न हो. अगर आप अपने लिविंग रूप के लिए कारपेट खरीद रहें तो कम बजट ही चुनें. इसके अलावा, कारपेट को खरीदने से पहले इसके रखरखाव के खर्च को भी ध्यान में रखें.

- जब भी आप कारपेट खरीदने जाए तो उसके साइज पर खास ध्यान दें. अगर आप अपने लिविंग रूम के लिए कारपेट खरीद रहें तो आप एक बड़ा कारपेट का चयन कर सकते हैं. हालांकि, ध्यान रखें कि उस कार्पेट का साइज कमरे के फर्श से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए. वहीं, अगर आप अपने बेडरूम के लिए कारपेट खरीदने वाले हैं तो उसका साइज इतना होना चाहिए कि यह बेड के आगे का हिस्सा कवर हो जाए.
- कारपेट के रंग की बात करें तो इसका रंग आदर्श रूप से बाकी सामान के हिसाब से होना चाहिए, फिर चाहें आप हल्का रंग चुनें या फिर गहरा. हालांकि, अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं तो बेहतर होगा कि आप गहरे रंग के कारपेट का ही चयन करें क्योंकि ऐसे कारपेट जल्द गंदे होने से बचाए जा सकते हैं. इसके अतिरिक्त, अपने कारपेट के प्रिंट्स को भी समझदारी से चुनें.
- कारपेट खरीदते समय उसके फैब्रिक पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका फैब्रिक इसकी शेल्फ लाइफ ही नहीं, बल्कि घर के लुक पर भी प्रभाव डाल सकता है.

गर्मी में भी लंबे समय तक टिका रहेगा परफ्यूम

- परफ्यूम को बाथरूम या घर के किसी भी गीले स्थान पर बिल्कुल न रखें. नम जगह में बसी गर्मी और नमी दोनों ही परफ्यूम की खुशबू को खत्म कर देते हैं.
- नहाने के लिए शॉवर जेल का इस्तेमाल करें. पूरे शरीर को किसी खुशबूदार जेल से साफ करें और शरीर पोंछने के बाद परफ्यूम का इस्तेमाल करें. इससे खुशबू लंबे समय तक टिकी रहेगी.
- कलाई पर परफ्यूम लगाकर अगर आप इसे दूसरी कलाई पर रगड़ते हैं तो उससे परफ्यूम की खुशबू बट जाती है और ज्यादा देर तक नहीं टिकती.
- पूरे शरीर में परफ्यूम लगाने से बेहतर है कि आप कलाई, कोहनी या शरीर के अंदरूनी हिस्से, जो गर्म होते हैं, वहां इसका इस्तेमाल करें. कानों के पीछे और गर्दन पर परफ्यूम जरूर लगाएं.

रिसर्च में हुआ खुलासाः फैबकिन नामक हार्मोन के कारण होती है डायबिटीज

डायबिटीज विकसित करने वाले हार्मोन की पहचान, अब इलाज संभव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। देश में इस समय 7.42 करोड़ मरीज हैं जिनकी उम्र 20 से 79 वर्ष है। अब तक धारणा थी कि एक बार डायबिटीज होने के बाद उसका इलाज संभव नहीं है। लेकिन ऐसी रिसर्च सामने आई है जिसमें सामने आया है कि जिन लोगों में डायबिटीज को डायग्नोज हुए एक से डेढ़ साल हुआ है, आने वाले समय में उन्हें इस खतरनाक समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल सकेगी। जिस हार्मोन के कारण डायबिटीज होती है उसकी खोज कर ली गई है। साथ ही रिसर्च में यह भी स्पष्ट हो गया है कि शरीर में से उस हार्मोन को कम कर दिया जाए तो मरीज में से डायबिटीज पूरी तरह से खत्म हो सकती है। फैबकिन नामक इस हार्मोन के कारण लोग डायबिटीज से ग्रसित हो जाते है।

सीनियर डायबिटीज एक्सपर्ट डॉ. पीपी पाटीदार

दो एंजाइम के साथ मिलकर यह प्रोटीन बनाता है फैबकिन हार्मोन

जीवन रेखा हॉस्पिटल के सीनियर डायबिटीज एक्सपर्ट डॉ. पीपी पाटीदार ने बताया कि मोटापा जितना अधिक होगा, डायबिटीज होने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। शरीर के एडिपोज टिश्यू में जमा यह फैट जब पिघलता है तब एफएबीपी4 नामक एक प्रोटीन निकलता है जोकि पैनक्रियाज में पहुंचता है। यहां आने के बाद दो अन्य एंजाइम, एडीके और एनडीपीके के साथ मिलकर यह फैबकिन हार्मोन बन जाता है जो पैनक्रियाज में मौजूद बीटा सेल्स को तेजी से खत्म करने लगता है। इसके कारण बीटी सेल्स में इंसुलिन का निर्माण बंद या कम हो जाता है। इससे कारण उस व्यक्ति को डायबिटीज हो जाती है। फैबकिन हार्मोन को एंटीडाट से नष्ट करने से डायबिटीज को हमेशा के लिए समाप्त किया और रोका जा सकता है।

फैबकिन हार्मोन कम होने पर हार्ट अटैक सहित अन्य समस्याओं का ख़तरा भी कम

अगर मरीज में फैबकिन हार्मोन को कम कर दिया जाए तो इससे डायबिटीज के अलावा दूसरी समस्याओं के खतरे को भी कम किया जा सकता है। हार्ट अटैक, किडनी डिजीज, लकवा, आंखो के रेटिना, मेटाबॉलिज्म डिसऑर्डर जैसी समस्याओं का प्रमुख कारण डायबिटीज होता है। डॉ. पाटीदार ने बताया कि एंटीडॉट से जब फैबकिन हार्मोन को कम किया जाता है तो इससे इन बीमारियों में भी कमी होगी। रिसर्च में सामने आया कि एंटीडॉट द्वारा इस हार्मोन को खत्म करने पर शरीर में अन्य कोई साइड इफेक्ट भी नहीं हुआ है।

स्मृति चिन्हों एवं उपहारों के ऑक्शन के लिए वेबसाइट लॉन्च

संकट की घड़ी में मदद के लिए हाथ बढ़ाना, राजस्थान की महान परम्परा : मुख्यमंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जब-जब भी देश के किसी राज्य में कोई प्राकृतिक आपदा या संकट की घड़ी आई तब-तब प्रदेशवासियों ने मुख्यमंत्री सहायता कोष या अन्य माध्यमों के जरिये खुले दिल से सहयोग किया है। विपदा में पीड़ित की मदद करना राजस्थान की महान परम्परा रही है, जिस पर हम सभी को गर्व है। गहलोत मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें विभिन्न अवसरों पर मिले स्मृति चिन्हों एवं उपहारों के ऑनलाइन ऑक्शन के लिए तैयार की गई वेबसाइट rajcmmementos.com के शाम को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित लॉन्चिंग कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की घड़ी में पीड़ित का हाथ थामने की इस गौरवशाली परंपरा पर आगे बढ़ते हुए मैंने स्मृति चिन्हों को ऑनलाइन माध्यम से ऑक्शन करने की यह पहल की है। हमारा प्रयास है कि

ऑक्शन से प्राप्त राशि का उपयोग जरूरतमंद एवं गरीब तबके के रोगियों के उपचार के लिए गैप फंडिंग के रूप में किया जाए। इसके लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष के भीतर निरोगी राजस्थान के नाम से अलग से फंड बने। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रिवेंटिव मेडिसिन को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। गहलोत ने आशा व्यक्त की कि इस नवाचार से ऑक्शन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेशवासियों को इलाज के खर्च से चिंतामुक्त करने के लिए चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा जैसी महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इसमें 10 लाख रूपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत चिकित्सा संस्थानों में आईपीडी एवं ओपीडी सेवाएं भी निःशुल्क कर दी गई हैं।

भारत सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष एवं राजस्थान लघु उद्योग विकास निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री गहलोत की पहल पर पूर्व में भी कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों एवं सुनामी से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए स्मृति चिन्ह ऑक्शन कार्यक्रम में लोगों ने खुले दिल से सहयोग किया था। गुजरात में भूकंप, कश्मीर तथा केरल में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। अब इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए ऑनलाइन माध्यम से इनका ऑक्शन करने की पहल की गई है। जो वेबसाइट लॉन्च हो रही है उसमें कोई भी व्यक्ति प्रदर्शित स्मृति चिन्हों को देख सकता है। वेबसाइट पर स्मृति चिन्ह की न्यूनतम दर भी प्रदर्शित की गई है। आगामी 25 अप्रेल को ऑनलाइन ऑक्शन किया जाएगा। इसके बाद 3 मई को स्मृति चिन्हों एवं उपहारों का ऑफलाइन ऑक्शन भी होगा। भारत सेवा संस्थान के सचिव जी.एस. बाफना ने आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऑनलाइन ऑक्शन के माध्यम से करीब 200 स्मृति चिन्ह एवं उपहार ऑक्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में विधानसभाध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, मंत्रीपरिषद के सदस्य, बोर्ड, आयोगों एवं निगमों के अध्यक्ष, विधायक, मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, पीसीसी कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सोनी ने संभाली जयपुर नगर निगम ग्रेटर की कमान

जयपुर। जयपुर नगर निगम में चल रहे विवादों के बीच आज यज्ञमित्र सिंह आयुक्त पद से रिलिव होकर चले गए। उनकी जगह आईएएस अधिकारी महेन्द्र सोनी ने आयुक्त का पदभार संभाला। सोनी के पदभार संभालने के साथ ही उनके सामने विवादों को दूर करना सबसे बड़ी चुनौती आ गई। निगम में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के संगठन ने पार्षदों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 24 घंटे के अंदर उन्होंने माफी नहीं मांगी तो वे कार्य बहिष्कार कर देंगे। आयुक्त पद संभालने के बाद मीडिया से बात करते हुए सोनी ने कहा कि ये गंभीर मुद्दा है और इसका सीधा असर जनता पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन कारणों से ये घटनाक्रम हुआ उनको मैं देखूंगा। उन्होंने साफ कहा कि वे पूर्वाग्रह से वशीभूत कुछ नहीं करेंगे, पहले चीजों को उनकी गुणवत्ता और मैरिटे के अनुरूप देखेंगे और उसका निस्तारण करेंगे, ताकि जनता को फायदा होगा।

राजस्थान में पंचायती राज उपचुनाव की तारिख़ों की घोषणा, चुनाव कोविड गाइडलाइन से

कार्यालय सवांददाता

जयपुर। 31 जनवरी 2022 तक खाली हुई जिला परिषद, पंचायत समिति, सरपंच और वार्ड पंचों के लिए राजस्थान निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया है। जारी किए कार्यक्रम के अनुसार 2 जिला परिषद और 21 पंचायत समिति सदस्यों के लिए उपचुनाव के साथ ही 32 सरपंच और 505 पंच पदों पर उपचुनाव होंगे। इसके साथ ही 1 उप प्रधान और 40 उप सरपंच के रिक्त पदों पर भी उपचुनाव होने हैं। राजस्थान निर्वाचन आयोग के अनुसार जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य और सरपंच के लिए चुनाव ईवीएम से करवाए जाएंगे तो वार्ड पंच के चुनाव मतपत्रों से होंगे। संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। चुनाव कोविड गाइडलाइन के अनुसार होंगे।

जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए चुनाव कार्यक्रम

- 25 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी।
- 27 अप्रैल तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन किया जा सकेगा।
- 28 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी।
- 29 अप्रैल को 3 बजे दोपहर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।
- 8 मई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा।
- 9 मई को सुबह 9 बजे से मतगणना की जाएगी।
- 10 मई को उप प्रधान का चुनाव होगा।

सरपंच और पंच के लिए चुनाव कार्यक्रम

- 25 अप्रैल को अधिसूचना जारी होगी।
- 1 मई को सुबह 10 से 5 बजे तक नामांकन हो सकेगा।
- 2 मई को नामांकन पत्रों की जांच होगी।
- 2 मई को ही नाम वापसी और चुनाव चिन्ह का आवंटन होगा।
- 8 मई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान किया जायेगा।
- 8 मई को ही मतदान समाप्ति के बाद मतगणना होगी।
- उपसरपंच का चुनाव 9 मई को होगा और मतदान के बाद मतगणना होगी।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर की साधारण सभा में हंगामा

नरेन्द्र मोदी और अशोक गहलोत के लगे नारे, वैल में ही धरने पर बैठे कांग्रेस पार्षद

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर में एक प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पार्षदों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नारे लगाने की होड़ मच गई। नारेबाजी के लिए दोनों पक्ष (सत्ता और विपक्ष) के पार्षद वैल में आ गए और जोर-जोर से नारे लगाने लगे। हंगामा होता देखा मेयर सौम्या गुर्जर ने सदन को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद फिर शुरू हुई कार्रवाई में पार्षद पति को लेकर हंगामा हो गया। कांग्रेस विधायक धरने पर बैठ गए। इस पूरे घटना क्रम के बाद मेयर ने मामला शांत करवाया और पहले प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास करवाकर सदन को एक घंटे के लिए स्थगित कर दिया। दरअसल प्रस्ताव संख्या एक पर चर्चा हो रही थी और भाजपा के पार्षद हरीश शर्मा सफाई के मुद्दे पर बोल रहे थे। तभी पार्षद शर्मा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर टिप्पणी कर दी। पार्षद की इस टिप्पणी से कांग्रेस के पार्षद भड़क गए और वे गहलोत जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। विपक्ष की तरफ से हुई इस नारेबाजी के बाद सत्ता पक्ष के पार्षद भी नरेन्द्र मोदी के समर्थन में नारे लगाने लगे। देखते ही देखते पूरे सदन में मोदी-मोदी के नारे गूंजने लगे और सदन में हंगामा हो गया। कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों के पार्षद वैल में आकर नारेबाजी करने लगे। इस हंगामे को देखकर मेयर ने बैठक को कुछ

समय के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद भाजपा के पार्षद अक्षत खुटेटा ने आरोप लगाया था कि सदन के अंदर कांग्रेस महिला पार्षद राजुला के पति सदन के अंदर बैठे हैं। पहले उन्हें यहां से भगाया जाए।। जबकि रजुला के पति सदन में नहीं थे। इसी बात को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने हंगामा कर दिया और धरने पर बैठ गए। इससे पहले नगर निगम में डोर टू डोर कचरा संग्रहण की कार्यप्रणाली और टेण्डर की प्रक्रिया समझाने को लेकर एक अधिकारी जवाब देते नहीं बने। प्रोजेक्ट एक्सईएन मनोज कुमार शर्मा से जब मेयर ने कचरा कलेक्शन के लिए हर वार्ड में गाड़ियों की संख्या बताने को कहा तो वे जबाव नहीं दे पाए। इसके बाद आयुक्त यज्ञमित्र सिंह खुद उठे और उन्होंने एक-एक बात का जवाब देते हुए बात संभाली। उन्होंने बताया कि इस बार डोर टू डोर कचरा संग्रहण में संख्या के हिसाब से वार्डो में हूपर न देकर रोड मैप और हाउस होल्ड (घरों की संख्या) के हिसाब से हूपर लगाए जाएंगे। इस तरह पूरे ग्रेटर एरिया के 150 वार्डो में 425 से ज्यादा हूपर लगेंगे।

मोबाइल पर मैसेज आएगाः आयुक्त ने बताया कि इस बार डोर टू डोर कचरा संग्रहण में नई व्यवस्था भी शुरू की है। हर घर के बाहर रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन लगाया जाएगा, जिसे कचरा कलेक्शन करने के लिए जो कर्मचारी आएगा वह स्कैन करेगा। स्कैन होने के बाद आपके मोबाइल पर मैसेज आएगा और आपको पता चलेगा कि आज आपके घर से कचरा उठ गया है। सी के आधार पर नगर निगम कंपनी को भुगतान करेगा।

जयपुर नगर निगम में अफसर और नेता आमने-सामने

आयुक्त के सपोर्ट में सभी कर्मचारी-अधिकारियों का कार्य बहिष्कार, निंदा प्रस्ताव के बाद शुरू हुआ विवाद

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एक साल के अंदर दूसरी बार ऐसा हुआ जब जयपुर नगर निगम ग्रेटर में जनप्रतिनिधियों और नौकरशाओं में अपने-अपने वर्चस्व को लेकर टकराव देखने को मिला है। साधारण सभा की बैठक में आयुक्त यज्ञमित्र सिंह के खिलाफ लाया गया निंदा प्रस्ताव विवाद का सबसे बड़ा कारण बना है। आयुक्त के समर्थन में आज नगर निगम ग्रेटर के सभी कर्मचारी-अधिकारियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए पेन डाउन हड़ताल कर दी और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कर्मचारी ट्रेड यूनियन, सफाई कर्मचारियों की यूनियन ने आज जयपुर नगर निगम मुख्यालय पर इस विरोध किया और पार्षदों और मेयर के खिलाफ नारेबाजी की। नगर निगम में हुए इस पूरे घटनाक्रम के बाद सभी जोन ऑफिसों और मुख्यालय पर कम बंद हो गया। जनता छोटे-मोटे काम जैसे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, मैरिज रजिस्ट्रेशन जैसे काम के लिए भटकते रहे।

एक साल में ये दूसरा घटनाक्रमः लोकतंत्र में व्यवस्थापिका और कार्यपालिका में टकराव अभी तक देखने को नहीं मिला है। नगर निगम के इतिहास में भी पहली बार इस कार्यकाल में ऐसा हुआ है, जब अधिकारी-कर्मचारियों ने एकजुट होकर जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मोर्चा खोला हो। मौजूदा बोर्ड के कार्यकाल को अभी 2 साल भी पूरे नहीं हुए और ऐसा टकराव दो बार देखने को मिल गया। इससे पहले पिछले साल 4 जून को नगर निगम ग्रेटर में ही महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और आयुक्त यज्ञमित्र सिंह के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद नगर निगम के सभी कर्मचारी-अधिकारी जनप्रतिनिधियों के विरोध में उतर गए थे और धरने पर बैठ गए थे।

विरोध को देख बैठक स्थगितः विवाद के बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने साधारण सभा को आगे भी जारी रखने का फैसला लेते हुए दूसरे दिन सुबह 10 बजे बैठक बुलाई थी। अधिकारियों और कर्मचारियों के नहीं होने, बैठक की व्यवस्था नहीं होते देख मेयर ने आज सुबह बैठक को स्थगित करने का निर्णय किया है।

आमजन को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार संकल्पबद्ध, निजी अस्पतालों से बेहतर चिकित्सा सुविधाएं अब हैं उपलब्धः मीणा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पबद्ध है। इसी कड़ी में ट्रोमा सेंटर के पास एसएमएस सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक का निर्माण किया गया है, जहां निजी अस्पतालों से भी बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मीणा ने मंगलवार को एसएमएस के सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के निरीक्षण के दौरान यह बात कही। उन्होंने सभी मंजिलों पर जाकर मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा आमजन को उच्च स्तरीय व गुणवत्ता युक्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सात मंजिला यह ब्लॉक जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी का काम करेगा।

मीणा को बताया गया कि प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल में पेट संबंधी सभी बीमारियों का इलाज सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के भवन में एक ही छत के नीचे मिल सकेगा। नए ब्लॉक में चार विभागों को शिफ्ट किया जाएगा। ये सभी विभाग पेट संबंधी बीमारियों से जुड़े हैं, जिसमें नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गेस्ट्रो इंट्रोलॉजी और एक नया विभाग हिप्टो पेनक्रिएटो बिलेरी सर्जरी शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्री को बताया गया कि ब्लॉक में मरीजों को भर्ती कर इसका ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है। यहां गाल ब्लेडर, किडनी, यूरिन, पेनक्रियाज, पथरी सहित पेट से संबंधित बीमारियों का इलाज हो सकेगा। ब्लॉक में लिवर ट्रांसप्लांट से लेकर अत्याधुनिक आइसीयू की सुविधा मरीजों के लिए उपलब्ध हो सकेगी। ओपीडी से लेकर इमरजेंसी और ओटी तक की सुविधा इसी ब्लॉक में मिल सकेगी। 320 बेड वाले इस सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में 50 आइसीयू, 6 मॉड्यूलर आपरेशन थिएटर, एमआरआइ मशीन, 7 एंडोस्कोपी मशीन, 45 डायलिसिस टेबल और मरीजों के परिजनों के लिए वेटिंग रुम भी है।

निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर भंडारी, अधीक्षक डॉ. विनय मल्होत्रा, डॉ. शिवम प्रियदर्शी व अन्य चिकित्सक व अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाल कहानी

गुरु की परीक्षा

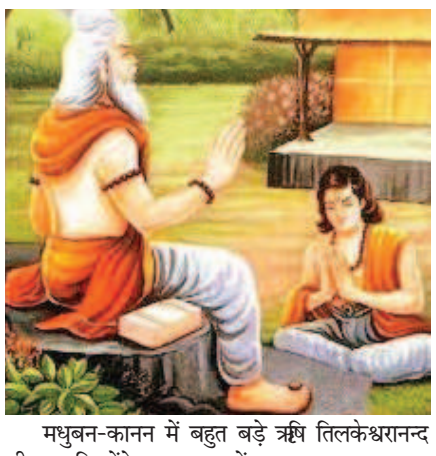

मधुबन-कानन में बहुत बड़े ऋषि तिलकेश्वरानन्द जी हुए। जिन्होंने उस कानन में अपना आश्रम बनाया। और आस-पास के नव-निहालों को शिक्षित और दीक्षित करने लगे। और इस प्रकार अन्यान्य बालकों ने आश्रम में शिक्षा प्राप्त शुरू कर दिया। सभी बालकों उन्हें गुरुजी कहकर पुकारने लगे। वह गुरुजी हमेशा अपने सन्देश में तीन बातें किया करते थे। पहली गुरु के प्रति समर्पण। दूसरी गुरु की सेवा। तीसरी गुरु के आज्ञा का पालन। समय बीतता गया। सभी बालकों ने साम, दाम, दण्ड, भेद और स्वावलंबन कि शिक्षा में पारंगत हो गए। गुरुजी ने अपने तीन शिष्यों को छोड़कर आश्रम के सभी शिष्यों को मंगलमय जीवन का आशीर्वाद देकर उनके घर के लिए विदा कर दिया। अब बचे तीन शिष्य रामा, परमा और विद्या।

रामा सबसे बड़ा, परमा मंझला और विद्या सबसे छोटा शिष्य था। तीनों के सेवा भाव को देखकर गुरुजी अत्यंत प्रसन्न थे। पर तीनों शिष्यों में योग्य कौन है गुरुजी को समझ नहीं आ रहा था। योग्य शिष्य की पहचान करने गुरुजी ने उनकी परीक्षा लेना चाही। और इस प्रकार उन्होंने तीर्थाटन का बहाना बनाकर अपने आश्रम से तीनों शिष्यों को लेकर वहाँ से निकल पड़े।

घनघोर जंगल कटीली और पत्थरों की उबड़-खाबड़ रास्ते हिचकोले खाते हुए चारो आगे बढ़े जा रहे थे। कुछ मील चलने के बाद गुरुजी को बहुत प्यास लगी। उनका गला सूख गया।और प्यास के मारे वो तड़पने लगे। और वहीं एक पेड़ की छाया के नीचे गश खा के बैठ गए। सभी शिष्य देखकर चिंतित हो गए। तभी गुरुजी ने पानी लाने का ईशारा करते हुए कमंडल को दिखाया। जी गुरुदेव! कहते हुए तीनो शिष्य निकल गए। पर पहला और दूसरा शिष्य बिना पानी लाये वापस आ गए। गुरुजी ने इशारों में पानी मांगा। पर दोनों शिष्यों ने मुँह लटका दिया और झेंपते हुए कहा- हमे नहीं मिला! विद्या ला ही रहा है गुरुदेव।

इधर विद्या पानी की तलाश में घनघोर जंगल मे भटकते हुए उस जगह पहुँचा, जहाँ घास-फूस से ढँका एक भयानक और अँधा कुँआ था। जिसकी सीढ़ियाँ घास-फूस से नजर नहीं आ रही थी। तभी डरे-सहमे विद्यानन्द पास में जाकर कूएँ में झाँका। बहुत गहरी थी। धुंधला सा पानी नजर आया। और आव देखा न ताव झटके से सीढ़ियों के सहारे कूएँ में उतर गया। जैसे ही पानी के पास पहुँचा वहाँ काला नाग फन फैलाये उसके आने की प्रतीक्षा कर रहा था। वह सहम गया। पर हिम्मत न हारते हुए, बहुत जद्दो-जहद करने के बाद भी वह पानी भर पाने में सफल नहीं हुआ क्योंकि वह साँप फुफकारते हुए काटने को दौड़ रहा था। विद्यानन्द चुपचाप झटके से ऊपर आया और कुछ कंकड़ पत्थर को लेकर नीचे पहुँचा। और साँप के विपरीत दिशा में पत्थर को पानी में दे मारा। जैसे ही उधर पानी में आवाज आई साँप उधर मुड़ा और फिर एक झटके में विद्या कमंडल में पानी भर के ऊपर बाहर आ गया। और झट से अपने गुरुजी के पास पहुँच कर कहा-गुरुजी गुरुजी पानी। गुरुजी पानी पाकर प्रसन्न हो गए।

अशोक पटेल आशु
व्याख्याता-हिंदी
तुस्मा(छ ग)

पुनः गुरुजी वहाँ से अपने शिष्यों को लेकर आगे बढ़े। कुछ मीलों आगे चलने के बाद उनको बड़ी जोरों की भूख लगी। गुरुजी ने कहा-शिष्यों मुझे बहुत भूख लगी है। मेरे लिए कुछ फलाहार की व्यवस्था करो। तीनो शिष्य यहाँ-वहाँ फिर तलाश करने लगे अचानक उनको एक पेड़ दिखा जो मीठे रसीले फलों से लदा हुआ था। पर फल बहुत ऊपर में था। गुरुजी ने आदेश किया-ऊपर पेड़ पर चढ़ो और फल तोड़कर लाओ। तीनों शिष्यों ने बहुत प्रयास किये पर च ढ़ने मे सफ़ल नहीं हुए। तब गुरुजी स्वयं पेड़ पर चढ़ने के लिए आतुर हो गए। विद्या को यह उचित नहीं लगा। तब विद्या ने कहा-गुरुजी आप यहाँ आराम से बैठिए। गुरुजी ने कहा- क्यों? क्या मैं नही चढ़ सकता?

तब विद्या ने कहा-गुरुजी ऐसी बात नही है आप से क्या सम्भव नहीं है। पेड़ पर चढ़ते हुए यदि आपको कुछ हो गया तो हम बेसहारा हो जाएंगे। हमारा जीवन अंधकारमय हो जाएगा। सच्चा गुरु बार-बार जन्म नही लेता। आपको हम खोना नहीं चाहते।आप सैकड़ों शिष्य जरूर बना सकते हैं। इसलिए आप मत चढ़िए। गुरुजी विद्या के तर्क भरी बातों से सहमत हो जाते हैं। और पुनः विद्या पेड़ पर चढ़ने में सफल हो, फल तोड़ लाता है। गुरुजी फल-फल कहते हुए दे देता है। गुरुजी पुनः प्रसन्न हो कर भूख मिटाते हैं। गुरुजी फिर वहाँ से आगे बढ़ते हैं। और कुछ दूर ही चल पाए थे कि उनके पाँवों में काँटे चुभ जाते हैं। और वे कराहते हुए बैठ जाते हैं। और कहते हैं...शिष्यों अब मुझसे चला नहीं जाता मुझे कोई कंधे पर बिठाकर ले चलो। रामा और परमा बारी-बारी कंधे पर बिठाकर कुछ कदम ही चल पाए पर अंत मे उन्होंने असमर्थता जाहिर कर दी। गुरुजी उन दोनों की कमजोरियों को भाँप गए। ऐसे दृश्य की देखकर विद्या झट से गुरुजी! गुरुजी! कहते हुए अपने कंधे पर उठा लिया।और फिर वहाँ से रवाना हो गया।

पूरा दिन बीत गया शाम हो आई अँधेरा छाने लगा। पँछी अपने बसेरों में जाने लगे। वातावरण में नीरवता आ गई। और फिर कुछ दूरी यात्रा के बाद, नीरवता और अँधेरों को चीरती हुई घण्टी की आवाज और दीए की टिमटिमाती लौ का आभास होने लगा और कुछ समय बाद उस तीर्थ मंदिर के पास पहुँच गए। जहाँ पहले से ही निर्धारित था। विद्या हाँफ रहा था। गुरुजी ने कहा- बस बेटा! बस! मुझे नीचे उतारो। तुमने मुझे आज तीर्थाटन करा दिया। तुम धन्य हो बेटा विद्या! मैं तुम्हारी गुरुभक्ति से गदगद हूँ। तुमने मेरे द्वारा कही गई तीन बातों को अपने व्यवहारिक जीवन में उतारा। तुम मेरी परीक्षा में पास हो गए। और रामा, परमा नापास हुए। दोनों अयोग्य है। नकारे हैं। पर तुम मेरे सच्चे शिष्य हो। और आज मैं तुमको आशीर्वाद देता हूँ, तुम अब विद्यानन्द के नाम से जाने जाओगे। और मेरी तरह तुम नव-निहालों को इस जगत को तुम अपना ज्ञान देकर आलोकित करोगे। इतना सुनने के बाद विद्या गुरुजी के चरणों मे गिर गया गुरुजी ने उसे हृदय से लगा लिया। दोनों की आँखों से अश्रु की धारा बह रही थी। और रामा, परमा अपने निक्कम्मेपन से एक-दूसरे को देखते हुए हाथ मल रहे थे।

काव्य कोना

गर्मी उफ! हाय हाय!

गर्मी उफ! हाय हाय!
आ गई अपने रोब में।
अपनी शक्ति की उष्णता को
लगी है जताने।
मानव तो क्या हर प्राणी को
अस्तित्व को लगी जताने।
हों इसाँ या पशु पक्षी और
जीव जन्तु और वट वृक्ष
वन उपवन सभी को
किया है बेहाल।
इसकी उष्णता ने किया है
जीवंत अजीवंत को तपा
झुलसा दिया अब तो खूब।
पृथ्वी माँ की तपिश शायद
हमें ज्ञान यह दे रही हैं-
वृक्ष लगाओ व जल संरक्षण
करो तो पाओगे आराम।

श्रीमती उमेश नाग
जयपुर

मार्गदर्शन

नसीहत...

चाहे अनचाहे, कुसंगत में पड़कर या अन्य किन्ही कारणों से हम कोई न कोई ऐसी गलती (अनैतिक कार्य) कर बैठते हैं जिसे हम भुलाए नहीं भूल पाते। कुछ ऐसा ही वाकया मेरे साथ भी हुआ जिसे आपके साथ शेयर किए बिना रहना बेमानी होगी।

मंसूर मेरा जिगरी दोस्त है। उसका बाप पैसों वाला और एम एल सी है। उसके अन्दर दुर्गुणों का खान है। शायद मुझे बहकाने का उसने ठान लिया है। उसकी बातों में आकर मैं एक दिन कोठे पर जा पहुंचा। मैं एक अत्यन्त हसीन और कमसीन लड़की के कक्ष में था। मैने उससे उसका नाम पूछा। नाम जानकर क्या करोगे राजा? शादी करना है? मैं रण्डी हूं, रण्डी किसी की प्रेमिका, पत्नी, मां या बहन नही होती। लोगों को सिर्फ़ उसके जिस्म से मतलब होता है। पैसे अदा किया, पानी झाड़ा और चलते बना। वेश्या की जवानी और हुस्न ढलने के बाद उसके बुरे दिन आ जाते है। जब मैं शारीरिक सुख प्राप्त कर चुका तो उसने आते आते मुझे एक नसीहत दी। किसी अच्छे घर के लगते हो, दुबारा कोठे पर मत आना। यह बात तब की है जब मेरी उम्र बीस वर्ष थी। आज साठ का हो चुका हूँ उसकी बातें मुझे रोज हूक मारती है। पढ़ाई के बाद मेरा वह शहर छूटा। मैं कानपुर में बस गया, अकूत सम्पत्ति का मालिक बन बैठा हूँ। कोई ऐसा दिन नहीं जब वह मुझे याद नहीं आती हो।

चन्द दिनों पहले एक टेंडर डालने मैं उस शहर में पहुंचा। मैं वहाँ जाने से अपने आपको रोक न सका। अपने दिल में बसाए जगह पर मैं पहुंचा। वह वही मिली, पहचान में नहीं आ रही थी। देखकर ही लग रहा था कि वह किसी गंभीर बीमारी से वर्षों से ग्रसित है। मैंने अपना हवाला दिया, आमने सामने बैठकर बातचीत की।

उसकी राम कहानी सुनकर कहा कि मैं तुम्हे अपने साथ ले जाना चाहता हूँ। यह सुनकर उसने अट्टहास किया और अतीत में खो गई। उसके बुरे दिन चल रहे थे। मैने बताया कि अमुक दिन मैं उसे लेने आ रहा हूं।

वैसा ही हुआ। वह मेरे साथ हो ली। लखनऊ में उसके नाम एक बी. एच. के. का एक फ्लैट लेकर उसके लिए एक पूर्णकालीन कामवाली का भी इन्तज़ाम कर दिया है, वह चिन्तामुक्त है। पी. जी. आई. में उसका उपचार चल रहा है। मैं समय समय पर उससे मिलता हूँ। पास के एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में जाकर वह प्रशिक्षुओं को मुफ़्त सिलाई सिखाती है। उसने मुझे बेपटरी होने से बचाया, उसके लिए मेरा यह छोटा सा प्रयास रहा।

अजय कुमार सिंह
भागलपुर, बिहार

दहशतगर्दों के षड्यंत्र का केन्द्र न बनने दें इबादत घर-मस्ज़िदों को

आलेख

देश में एक अज़ीब सा माहौल बनाने का प्रयास हो रहा है। अस्मिता सुरक्षा के नाम पर हिंदुओं को डराने का सतत् प्रयास किया जा रहा है। कार्यवाही एक समुदाय विशेष करता है किंतु उसके पीछे जो दिमाग है, वह बहुत खतरनाक है। उसे धर्म - संप्रदाय से कुछ नहीं लेना, वह तो बस राष्ट्र को अस्थिर करने में ही अपनी पूरी ताकत झोंक रहा है। वह दिमाग है तथाकथित अर्बन नक्सलवादियों का है। राजनीति क्षेत्र में पूर्णतया असफल हो जाने के कगार पर खड़ा यह दिमाग प्रति क्षण अपनी कुत्सित मानसिकता से नये-नये षड़यंत्र रचता है। बलि का बकरा कोई भी बने परंतु यह अपने अमानवीय कुत्सित मंसूबे पूरे करने में एक पल के लिए भी नहीं हिचकिचाता। देश में अधिकतर दंगों में, भीड़ तंत्र द्वारा किये गये फसाद में कहीं न कहीं यही दिमाग पर्दे के पीछे रहकर काम करता है। अभी हाल ही में शृंखला बद्ध ढंग से जिस प्रकार हिंदुओं की शोभायात्रा पर लगातार पत्थरबाजी व हमले हुये, यह कभी भी उकसाने की प्रतिक्रिया नहीं हो सकती। महीनों पहले पत्थर, लाठी-डंडे, तलवार, तमंचे एकत्रित करके रखे गये थे। सात राज्यों में एक जैसा हमला करने का तरीका देखकर कोई नासमझ भी बता देगा कि यह पूर्व सुनियोजित ढ़ग से किये गये हमले हैं जिनका षडयंत्र बहुत दिन पहले रचा गया।

इस अर्बन नक्सलियों की जड़ में जो विचार काम करता है, उसका ध्येय वाक्य ही है कि डर फैलाओं और राज करो। ये एक तीर से कई निशाना साधते हैं। पहला तो यह कि देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम किया जाये, विश्व में उसकी बढ़ती साख को चोट पहुंचायी जाये। दूसरा यह कि राजनैतिक हित साधे जाये। तीसरा अन्य वर्गों में दहशत के साथ अपना प्रभाव जमाया जाये और चौथा जो सबसे बड़ा षडयंत्र है कि दहशत फैलाकर अपने एरिया में अन्य लोगों की आवाजाही बंद करके सभी प्रकार के अवैध कारोबार धड़ल्ले से कर सके। मुस्लिमों को समझना होगा कि इस प्रकार के षडयंत्र, दंगे-फसाद समाज में उनके प्रति अविश्वास को और अधिक गहरा करते जा रहे हैं। हिंदुस्तान को अपना मादरे वतन मानने वाले मुस्लिमों को आगे आकर इन सभी षडयंत्रों का खुलासा करके पुरजोर विरोध करना ही पड़ेगा तभी आने वाली पीढ़ी शांति से रह पायेगी।

डॉ. उमेश प्रताप वत्स
यमुनानगर, हरियाणा

जिस राम को हिन्दूस्थान की सरहदों के बाहर भी आदर्श, मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में जाना जाता है, उस राम के नाम पर अपने ही देश में विरोध का कोई औचित्य नहीं है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम न सिर्फ हिंदुओं के बल्कि हर भारतीय के आदर्श है। उनके जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

भगवान राम के जन्मोत्सव रामनवमी के मौके पर 7 राज्यों गुजरात, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, राजस्थान, गोवा और कर्नाटक में जिस प्रकार हिंसा भड़काई गई, उन लगभग सभी स्थानों पर एक जैसा घटनाक्रम देखने को मिला कि राम नवमी के जुलूस के दौरान पत्थरबाजी की गई। पुलिस ने मोर्चा संभाला तो उन पर भी हमला करने की कोशिश की गई। गुजरात में एक शख्स की मौत हो गई, वहीं मध्य प्रदेश के खरगोन में कर्फ्यू लगाना पड़ा है। सभी स्थानों के सीसीटीवी वीडियो खंगाले जा रहे हैं और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। अधिकांश स्थानों पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। राम नवमी पर हुई हिंसा की घटनाओं पर राजनीति भी शुरू हो गई है। जुलूस पर अराजकतत्वों द्वारा पथराव किया गया था। शहर के तालाब चौक, संजय नगर, तवड़ी मोहल्ले इलाके सहित अन्य इलाकों में भी पथराव की घटना हुई। वहीं कुछ मकान और दो पहिया वाहनों में आगजनी की घटना भी हुई है। 30 से ज्यादा दुकानों और मकानों में आग लगा दी गई थी। हालांकि रात 9 बजे तक मामला थोड़ा शांत हो गया था, लेकिन देर रात 12 बजे फिर हिंसा शुरू हो गई। आनंद नगर, संजय नगर मोतीपुरा में घर फूंक दिए गए। इतना ही नहीं कुछ घरों में लूटपाट भी की गई। राजस्थान के करौली जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा की आंच राजधानी दिल्ली तक आ पहुंची। राजस्थान, गुजरात, झारखंड, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के बाद दिल्ली भी हिंसा की चपेट में आ गई है। हिंदू नव वर्ष के बाद से अब तक देश में सांप्रदायिक हिंसा और दो समुदायों में टकराव की खबरें लगातार सामने आ रही है। राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती की शोभायात्रा के दौरान पथराव के बाद हिंसा भड़की। पुलिस चौकी पर हुए पथराव और तोड़फोड़ में एक सब इंस्पेक्टर और एक कॉन्स्टेबल घायल हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जहांगीरपुरी में आारएएफ की दो कंपनियां तैनात की गई है।

सांप्रदायिक हिंसा का पहला मामला 2 अप्रैल को राजस्थान के करौली में हुआ था। हिंदू नव वर्ष के मौके पर निकाली जा रही बाइक रैली पर दूसरे समुदाय के लोगों ने पथराव कर दिया था। जिसके बाद उपद्रवियों ने दर्जनों दुकानों, मकानों और कई बाइकों को आग के हवाले कर दिया था। बिगड़ते हालात को देखते हुए शहर में पहले धारा 144, कर्फ्यू और फिर इंटरनेट सेवा बंद करनी पड़ी थी। झारखंड के लोहरदगा और बोकारो में रामनवमी के जुलूस के दौरान जमकर हिंसा हुई थी। उपद्रवियों ने दर्जन भर वाहनों को फूंक डाला था. दरअसल रामनवमी का मेले लगा हुआ था, जिसमें शोभायात्रा निकाली जा रही थी. इसी दौरान भीड़ में ही शामिल कुछ लोगों ने पथराव कर दिया।जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। गुजरात के दो शहरों हिम्मतनगर और खंभात में भी 11 अप्रैल को रामनवमी के जुलूस के दौरान हिंसा की घटना हो गई।

मेरी बेटी बड़ी हो गई

मेरी बेटी बड़ी हो गई,
साथ मेरे खड़ी हो गई।
डांट देती मुझे ऐसे,
मेरी वो सहेली हो गई।
बीपी शुगर क्यों बढ़ाई आपने,
क्यों मीठा खाया आपने ।
पहन लेती हो कुछ तो भी कपड़े बेतुके ,
मैं दिलाऊँ तुम्हें कुछ ढंक के।
हो जाती है नाराज मुझसे,
मैं फिर करती हूँ बात उससे।
कुर्ती पहन रखी इतनी बड़ी,
जी लो खुद के लिए दो घड़ी।
सफेद बाल क्यों रख रखे?
मेंहदी लगाने से क्यों डर रहे ।
सहज योग, मेडिटेशन क्यों नहीं करते,
अपने आप को पॉजिटिव क्यों नहीं रखते।
मॉर्निंग वॉक पर जाओ,
अपना मन ध्यान योग पर लगाओ।
नेगेटिव विचार मन से हटा दो,
अपना मन भक्ति में लगा दो।
मेरी हर कमी पूरी हो गई,
मेरी बेटी बड़ी हो गई।
दुनियां से लड़ेगी मेरे लिए,
मेरे कंधे से ऊँची हों गई,
मेरी बिटिया मुझसे समझदार हो गई।।

संकलन
उषा नांगिया, जयपुर

हमारी आस्था, संस्कृति की धारा, सद्भाव, समभाव, समावेश की है

देश की बुनियादी नींव अमन चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा तात्कालिक बनाए रखना वर्तमान समय की मांग

संकलनकर्ता लेखक
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

भारत अपनी बुनियादी नीव, एकता अखंडता सामाजिक उदारवाद, अलौकिक प्राकृतिक संसाधनों, धर्मनिरपेक्षता, अनेकता में एकता, सौहार्दपूर्ण वातावरण और शांतिप्रिय संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है। वैश्विक स्तर पर इन सभी खूबियों की चर्चा कर तारीफ़ और उदाहरण पेश किया जाता है जो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हम सुनते हुए देखते हैं, तो हम गर्व महसूस करते हैं कि हम ऐसे देश के नागरिक हैं जहां सभी जाति, धर्म, उपजाति, भाषाओं, उप भाषाओं के नागरिक खूबसूरती से एक साथ मिलजुल कर रह रहे हैं और देश के विकास में अपने अपने स्तर पर भरपूर योगदान दे रहे हैं। युवा राष्ट होने के नाते भारत अपने युवाओं, मूल्यवान संपत्तियों, संसाधनों, जग प्रसिद्ध बौद्धिक क्षमता का भरपूर उपयोग कर विश्व नेता बनने के सपने संजोए हुए हैं जिसके लिए विज़न 2047, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था सहित अनेक विज़न पर कार्य शुरू है।

साथियों परंतु पिछले कुछ दिनों, महीनों से हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देश मैं कट्टरता, नफ़रत, बुलडोजर, हिजाब, पथरबाज़ी,लाउडस्पीकर, जुलूस पर पथराव, हेट स्पीच, धार्मिक बयानबाजी इत्यादि अनेक वाक्य टीवी चैनलों के माध्यम से, ग्राउंड रिपोर्टिंग के माध्यम से देख, सुन रहे हैं जिससे समाज को ऐसी क्षति होने की संभावना है जिसकी भरपाई करने में शायद हमारे समय, मूल्यवान संपत्ति, संसाधनों और युवा शक्ति का भारी नुकसान होने की संभावना से हम इनकार नहीं किया जा सकता जिसका उपयोग हम नए भारत के नए प्रस्तावित विजनों के लिए उपयोग कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत देश की बुनियाद की करें तो अमन -चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता, त्योहारों के साझा उत्सव, विभिन्न अवस्थाओं में संबंधों के बीच अच्छे पड़ोसी वाले संबंध, युगों से हमारे समाज और देश के गौरव पूर्ण विशेषता रही है परंतु बीते कुछ दिनों से एक धार्मिक समुदाय के जुलूस पर मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में पथराव और अब कल दिल्ली में भी एक अन्य धार्मिक जुलूस पर पथराव की घटना से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुछ संकीर्ण मानसिकता वाले तत्व, भारतीय समाज की नींव और राष्टीयता की समग्र समावेशित समभाव विचारधारा, संस्कृति को कमजोर करने की पहल शुरू करने की तैयारियां हो रही है जिसे हम सब नागरिक एकता कर, आपसी भाईचारा कायम कर, विभिन्नता में एकता, सामाजिक उदारवाद, सौहार्दपूर्ण वातावरण तात्कालिक बनाए रखकर ऐसे तत्वों को पुरजोर जवाब देने के लिए सभी जाति, धर्म, समुदाय विशेष को एक साथ मिलकर उन तत्वों का मुकाबला कर भारत की गौरवशाली प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए तात्कालिक कदम उठाने होंगे जिससे आपसी विश्वास बिल्डिंग को मजबूत और अटूट बनाए रखा जा सकता है।

साथियों बातें कर हम 10 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में एक धार्मिक शोभायात्रा के अवसर पर हुई हिंसा का घाव अभी सूखा भी नहीं था कि राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में दिनांक 16 अप्रैल 2022 शाम को धार्मिक शोभायात्रा यात्रा के अवसर पर टीवी चैनलों पर दिखाया गया जमकर हिंसा हुई। हिंसा और उपद्रव में कौन शामिल है, इसका पता नहीं चल पाया है. लेकिन राजधानी में तनाव पसर गया है।उपद्रवियों द्वारा कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई है और पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं. जिस समय धार्मिक पर्व पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी, तब ये हिंसा शुरू हुई और देखते ही देखते कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया गया ऐसा मीडिया में बताया गया।

साथियों बात अगर हम विपक्ष के 13 नेताओं के संयुक्त बयान की करें तो उन्होंने अपने संयुक्त बयान में देश में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा और घृणापूर्ण भाषण संबंधी घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जतायी और लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। इसके साथ ही विपक्षी नेताओं ने इन मुद्दों को लेकर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया है जिस पर सत्ताधारी प्रवक्ता द्वारा आक्षेप लिया गया ऐसा टीवी चैनलों पर दिखाया गया है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा दिनांक 16 अप्रैल 2022 को एक प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, हमारी सभ्यता और संस्कृति ने हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। हमारी आस्था, हमारी संस्कृति की धारा सद्भाव की है, समभाव की है, समावेश की है। इसलिए जब बुराई पर अच्छाई को स्थापित करने की बात आई तो प्रभु राम ने सक्षम होते हुए भी, खुद से सब कुछ करने का सामर्थ्य होने के बावजूद भी उन्होंने सबका साथ लेने का, सबको जोड़ने का, समाज के हर तबके के लोगों को जोड़ने का, छोटे-बड़े जीवमात्र को, उनकी मदद लेने का और सबको जोड़ करके उन्होंने इस काम को संपन्न किया। और यही तो है सबका साथ, सबका प्रयास। ये सबका साथ, सबका प्रयास का उत्तम प्रमाण प्रभु राम की ये जीवन लीला भी है, जिसके हनुमान जी बहुत अहम सूत्र रहे हैं। सबका प्रयास की इसी भावना से आज़ादी के अमृतकाल को हमें उज्जवल करना है, राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि के लिए जुटना है।

उन्होंने बल देते हुए कहा कि यह हमारी आध्यात्मिक विरासत, संस्कृति और परंपरा की शक्ति है जिसने गुलामी के कठिन दौर में भी अलग-अलग हिस्सों को एकजुट रखा। इसके माध्यम से स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय प्रतिज्ञा के एकीकृत प्रयासों को मजबूत किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमारी सभ्यता और संस्कृति ने भारत को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हमारी आस्था, संस्कृति की विचारधारा, सद्भाव, समभाव समावेश की है। देश की बुनियादी नीव, अमन-चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा तात्कालिक बनाए रखना वर्तमान समय की मांग है। भारत की विविधता में एकता, सामाजिक उदारवाद, धर्मनिरपेक्षता, बुनियादी नीव और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है जिसे बनाए रखना हम सब का कर्तव्य हैं।

सीआईडी के 254 पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट व सराहनीय सेवा के लिए मिला सेवा चिन्ह

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस दिवस की श्रृंखला में सोमवार को प्रातः 9 बजे जलमहल स्थित सीआईडी (सीबी) लाईन में सीआईडी (अपराध शाखा) के 254 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को वर्ष 2019 से 2021 के सर्वोत्तम सेवा,अति उत्तम सेवा व उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध) डॉ रविप्रकाश मेहरड़ा ने इस अवसर पर उत्कृष्ट, सराहनीय एवं प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान करने वाले 62 पुलिसकर्मियों को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 59 पुलिसकर्मियों को अति उत्तम सेवा चिन्ह और 133 पुलिसकर्मियों को उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

डॉ मेहरड़ा ने सर्वोत्तम सेवा,अति उत्तम सेवा व उत्तम सेवा चिन्ह प्राप्त करने वाले सभी पुलिस पुलिस कर्मियों को बधाई दी एवं भविष्य में भी पुलिस के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस की अपराध शाखा की अत्यंत गौरवपूर्ण पहचान व विरासत रही है। इस पहचान को बनाए रखना अपराध शाखा के प्रत्येक पुलिसकर्मी का दायित्व है।

उपमहानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर

महानिरीक्षक पुलिस श्री राजेन्द्र सिंह, उपमहानिरीक्षक श्री अनिल टांक व प्रीति चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री राहुल कोटोकी व श्री शरद चौधरी उपस्थित थे।

सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मी : पुलिस निरीक्षक रामसिंह, उप निरीक्षक कुंदन मल, बाबूलाल, कन्हैया लाल, कदीर खान, श्रवण लाल मीणा एवं रतन लाल, सहायक उपनिरीक्षक सत्य पाल सिंह, शैलेंद्र सिंह, मुकेश राजावत, उमेश पारीक, अनिल कुमार, राज सिंह, रामफूल गुर्जर, दुष्यंत सिंह व चांदमल, हेड कांस्टेबल लक्ष्मण बुनकर, शंकरलाल, भौरे लाल शर्मा, हरि किशोर शर्मा, बृजेश निगम, रामचंद्र नागा, सांवरमल, धूणा राम, मिट्ठू नेपाली, शेर सिंह, विनोद कुमार, सुरेंद्र कुमार, उस्मान अली, महेश कुमार मीणा, महेंद्र कुमार, मोहम्मद यूनुस खान, उमर शहजाद, सुरेश चंद्र बृजपाल, जुगल किशोर पुरी, भगवान सहाय मीणा, गणपत लाल, अशोक कुमार एवं मोहन सिंह एवं कांस्टेबल कल्याण सहाय, मदन लाल, राजू सिंह, ओमप्रकाश सिंह, गुगन सिंह, रामकिशोर, बल्लू राम, मजीद खान, लीलाराम, मोहम्मद नईम, महेश चंद्र, अनिल चौहान, विनोद कुमार, अतर सिंह, पुष्पा चौधरी, गिरधारी लाल, दयाराम यादव, राम बहादुर, सवाई सिंह, वीरेंद्र सिंह, दिलीप सिंह और प्रकाश चंद्र।

अति उत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मी : पुलिस निरीक्षक उमेद सिंह, सीताराम, अभय पालरिया, राजकुमार जैन व सुनील शर्मा, पुलिस उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक प्रदीप सिंह व बाबूलाल, हेड कांस्टेबल जोधा राम बुनकर, गोपाल लाल, राजेश कुमार, छुट्टन लाल, सुमेर सिंह, लक्ष्मण सिंह, चंद्र सिंह, जोगेंद्र पाल, रतनलाल, सुगर सिंह, देवेंद्र सिंह, रूप सिंह, मुनेश कुमार, शिवअवतार मीणा, अमृतलाल, सुरेश कुमार यादव, ज्वाल चौपदार व राजेंद्र प्रसाद कॉन्स्टेबल पुष्पा चौहान, हरि ओम, महेंद्र कुमार, बस्तीराम, घनश्याम, मनीष शर्मा, जितेंद्र सिंह, सीताराम, स्वामी शरण, सुरेश चंद्र, रामावतार, मोहनलाल, रामेश्वर प्रसाद, राकेश कुमार, ज्ञानचंद, ओम प्रकाश, सुरजन मीणा, बृजमोहन, कैलाश चंद, धर्मवीर, महेश चंद, गोपाल बहादुर, कविता, रामावतार बोहरा, राजेंद्र कुमारी, बिरदी चंद, नसरीन परवीन, चिमन सिंह, नरेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, ताराचंद, गौरी शंकर एवं दिनेश कुमार।

उत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मी : पुलिस निरीक्षक संतरा मीणा, बिंदिया मारू, दीप्ति शर्मा व अंतिम शर्मा, उप निरीक्षक मानसिंह व मोहम्मद यूसुफ, सहायक उपनिरीक्षक कांता देवी, हेड कांस्टेबल दुर्गा लाल, हरिराम, शंकर दयाल, मदनलाल, हेमंत शर्मा, अशोक कुमार, कृष्णा नायक, प्रदीप कुमार, आशा कुमारी, सुशीला यादव व लाला राम जाट, कॉन्स्टेबल बृजमोहन, राजेंद्र कुमार, सुनीता कुमारी, सज्जन सिंह, कमल सिंह, सुरेंद्र कुमार, रविंद्र सिंह, मनीष कुमार, धर्मेंद्र व्यास, श्रवण सिंह, कमला, राजेंद्र कुमार, रामफूल, रामलखन, ललित कुमार, नरेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार, अरुण कुमार, सुभाष खोखर, गिरिजा शंकर, राधामोहन, रविंद्र सिंह, राजेंद्र कुमार, सरताज बानो, अंजू कवर, नरसी मीणा, धनंजय, मुकेश सिंह, राजेंद्र कुमार, श्रीभान सिंह, पूरणमल बुनकर, सुरेश कुमार, पंकज कुमार, संदीप, सरदार सिंह, छोटी मीणा, मोहनलाल, रमेश मीणा, मन्नी देवी, प्रेम प्रकाश, बृजेश कुमार, सुशीला कुमारी, ममता यादव, मुकेश कुमार, नटवरलाल, सोहन देव, नमो नारायण मीणा, हनुमान चौधरी, मनोज कुमार, राकेश कुमार, राजीव मीणा, अशोक कुमार, पप्पू सिंह, महेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार, मुकेश कुमार सैनी, चांद सिंह, शीला, मनोहर लाल, अरविंद कुमार, प्रमोद कुमार, मनीषा, सुमिता, दिलीप सिंह, बलवीर सिंह, देवेंद्र त्यागी, सरोज, चंद्रभान, लक्ष्मी नारायण, ओमप्रकाश, भूपेंद्र शर्मा, प्रकाश चंद मीणा, शिवचरण, रामांवतार, प्रेम सिंह, सुदेश चौधरी, साहब सिंह, कैलाश चंद, महेश कुमार, श्रवण कुमार, धर्मेंद्र सिंह, किशन लाल, दिनेश कुमार, नारंगी देवी, सुरेश कुमार, राधा मोहन मीणा, रमेश चंद्र, घनश्याम मीणा, अनिल कुमार, अनीता, महा सिंह, सुभाष चंद्र, सीता, सुरेश कुमार, गणपत लाल, भरत पाल, सुनीता कुमारी, लक्ष्मण सिंह, विमला, पवन कुमार, राज कुमार, सुरेंद्र सिंह, जागी राम, नरेश कुमार, रतीराम, अशोक सिंह, शकुंतला, दीनदयाल शर्मा, समदर सिंह, सुदेश कुमारी, जितेंद्र कुमार मीणा, गिरवर सिंह, संजला देवी, विनोद कुमार एवं अजीत सिंह।

इंडियन बिल्डंग कांग्रेस के जयपुर चैप्टर की बैठक

राजस्थान आवासन मंडल के प्रोजेक्टों की देश भर में चर्चा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। इंडियन बिल्डंग कांग्रेस, जयपुर चैप्टर की बैठक शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रदीप मित्तल की अध्यक्षता में राजस्थान आवासन मंडल के बोर्ड रूम में आयोजित हुई। इस बैठक में राजस्थान आवासन मंडल के मुख्य अभियंता श्री के.सी. मीना को उपाध्यक्ष मनोनित किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष श्री प्रदीप मित्तल ने कहा कि राजस्थान आवासन मंडल के सभी प्रोजेक्ट अपने बेस्ट आर्किटेक्चर, श्रेष्ठ निर्माण गुणवत्ता की वज़ह से पूरे देश में चर्चा का विषय बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस अपना प्रतिनिधिमंडल भेजकर इनका अध्ययन करवाएगी। श्री मित्तल ने एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया, जिसमें निर्माण क्षेत्र में आ रहे नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिस तरह डॉक्टर नई दवाईयों, नए चिकित्सीय तकनीक के बारे में अपडेट रहते हैं, उसी तरह इंजीनियरों को भी निर्माण की बदलती तकनीक के बारे में अपडेट रहना चाहिए।

इससे पूर्व मुख्य अभियंता श्री के.सी. मीणा ने श्री प्रदीप मित्तल का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इसके साथ ही श्री मीणा ने इंडियन बिल्डंग कांग्रेस की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी और राजस्थान आवासन मंडल के सभी प्रोजेक्टों का प्रस्तुतीकरण दिया।

इस बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग के सचिव श्री चिन्हरी मीणा, नगरीय विकास विभाग के मुख्य अभियंता श्री एम.एल. चौधरी, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता भगवान सिंह मीना, रूडसिको के मुख्य अभियंता श्री प्रदीप कुमार गर्ग, सार्वजनिक निर्माण विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव श्री सी.एल. वर्मा, आरवीपीपीएनल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सुरेश मीना, महाप्रबंधक आरएसआरडीसी श्री सी.एम. आर. माथुर, अतिरिक्त महानिदेशक (CPWD) श्री अजय प्रकाश, जयपुर विकास प्राधिकरण के निदेशक अभियांत्रिकी, श्री अशोक चौधरी, राजस्थान आवासन मंडल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मनोज गुप्ता, श्री संजय पूनिया, उप आवासन आयुक्त श्री अमित अग्रवाल, श्री संदीप गर्ग, श्री जे.एस. बुगालिया, श्री प्रदीक श्रीवास्तव, श्री एम.एल. गुप्ता सहित आर्किटेक्ट श्री प्रवीण गर्ग, श्री रमेश कुमार और बिल्डर श्री निशांत केड़िया सहित निर्माण क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित थे।

जेडीसी ने किया गांधी दर्शन म्यूजियम, राजभवन में संविधान पार्क एवं झोटवाड़ा आरओबी का दौरा

समय सीमा में पूरे किये जायेंगे प्रोजेक्टः जेडीसी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन ने सोमवार को गांधी दर्शन म्यूजियम, राजभवन में संविधान पार्क एवं झोटवाडा आरओबी का दौरा किया एवं अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों को तीनों प्रोजेक्टस तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

जेडीसी ने महामहिम राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुधीर कुमार एवं ओएसडी श्री गोविंद जायसवाल के साथ राजभवन में 816.50 लाख रूपये से निर्माणाधीन संविधान पार्क के निर्माण एवं अन्य सौंदर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण कर जायजा लिया एवं अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों को निर्धारित तय समय सीमा 15 अगस्त, 2022 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जेडीए द्वारा राजभवन परिसर में राष्ट्रीय ध्वज का स्तम्भ स्थापित, भारत के संविधान के गठन में योगदान देने वाले महान विभूतियों की प्रतिमा का निर्माण, महाराणा प्रताप का उनके प्रिय घोडे चेतक के साथ सफेद मार्बल (अम्बाजी) मे प्रतिमा, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की चरखा कातते हुए गन मेटल मे प्रतिमा एवं राष्ट्रीय पक्षी मोर के सफेद मार्बल (अम्बाजी) में स्तम्भ स्थापित किये जायेंगे। राजभवन परिसर मे उद्यान के अन्दर पत्थर की

छतरियाँ, संविधान पार्क मे वॉकवे एवं प्रतिमा स्थलों पर फाउण्टेन इत्यादि का कार्य भी करवाया जायेगा। इसके पश्चात् जेडीसी रवि जैन ने गांधी दर्शन म्यूजियम का मौका निरीक्षण कर तकनीकि शाखा के अधिकारियों से प्रोजेक्ट के संबंध में बारीकी से जानकारी लेते हुए प्रोजेक्ट को तय समय सीमा 30 जनवरी, 2023 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश प्रदान किये।

गांधी दर्शन म्यूजियम में गांधी जी की विरासत एवं स्वतंत्रता संग्राम के मुख्य आंदोलनों को इस म्यूजियम में आभासी तौर पर पुनर्जीवित किया जावेगा जिससे कि दर्शक विशेषकर देश की युवा पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम की मुख्य घटनाओं एवं गांधी जी के जीवन, दर्शन एवं मूल्यों का अनुभव कर सके, उन्हें आत्मसात कर सके। विरासत वाले भाग को भूतल के ऊपर प्रस्तावित किया गया है एवं अतीत के आंदोलन, घटना आदि को भूमिगत तल पर रखा गया है। इसका निर्माण लगभग 16000 वर्गगज क्षेत्र में 30 प्रतिशत से भी कम क्षेत्र में किया जाएगा और सम्पूर्ण क्षेत्र में 1000 से अधिक पेड़-पौधे लगाकर इस क्षेत्र को एक घने वृक्षों के झुरमुट, प्राकृतिक स्थल के रूप मे विकसित किया जाएगा।

दौरे के अंत में जयपुर विकास आयुक्त ने झोटवाड़ा आरओबी का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रोजेक्ट को पूर्ण करने में आ रही समस्याओं की बारीकी से जानकारी ली और संबंधित जोन उपायुक्त - 06 को निर्देश दिए कि मौके पर प्रभावित स्ट्रक्चर्स का शीघ्र से शीघ्र पुनर्वासित किया जाकर भूमि का कब्जा अभियांत्रिकी शाखा को संभलवाया जाए, जिससे प्रोजेक्ट को निर्धारित समयावधि दिसम्बर, 2022 तक पूर्ण किया जाकर आमजन को समर्पित किया जा सके।

उन्होंने अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट के निर्माण में हो रहे विलंब को दृष्टिगत रखते हुए सभी कार्य अधिक प्रयास करते हुए समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

यह आर.ओ.बी. कालवाड़ रोड पर बनाया जा रहा है। नवीन तीन लेन झोटवाड़ा आर.ओ.बी. का निर्माण पंचायत भवन से लेकर अम्बाबाड़ी तक किया जा रहा है। इस नवीन आर.ओ.बी. के निर्माण से आर.ओ.बी. 6 लेन का हो जायेगा व झोटवाड़ा क्षेत्र के निवासियों को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध होगी। उक्त आर.ओ.बी. की कुल लम्बाई 2450 मीटर है। प्रोजेक्ट की लागत 166 करोड़ है, जिसके क्रम में 108 करोड का कार्यादेश जारी किया जा चुका है। दौरे में निदेशक अभियांत्रिकी देवेंद्र गुप्ता, संबधित अधीक्षण अभियंता, संबंधित अधिशाषी अभियंता एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

उपनिरीक्षक संयुक्त परीक्षा 2021

शेष रहे अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 01 मई को

हिलव्यू समाचार

जयपुर। लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप निरीक्षक पुलिस/प्लाटून कमाण्डर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण पूर्व में शारीरिक दक्षता परीक्षा दौरान चोटग्रस्त, प्रसूताकाल में एवं बीमार रहे अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा एक मई को आयोजित की जा रही है। पुलिस अधीक्षक भर्ती एवं पदौन्नति बोर्ड डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र 21 अप्रैल से वेबसाईट sso.rajasthan.gov.in पर एसएसओ आईडी से द्यश्वद्दद्बठ्ठ के पश्चात सकते है। डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी प्रवेश पत्र के साथ अपना मूल आधार कार्ड मय छाया प्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो, सरकार द्वारा जारी एक मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा उसकी एक छाया प्रति सहित निर्धारित तिथि व समय पर शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु बोर्ड के समक्ष उपस्थित होंगे। इन अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा 1 मई को प्रातः 5.30 बजे राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में आयोजित होगी। अभ्यर्थियों की सूची पुलिस विभाग की वेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

गाँधी ग्लोबल फ़ैमिली ने सम्मान समारोह को संबोधित किया

हिलव्यू समाचार

नई दिल्ली। गाँधी ग्लोबल फ़ैमिली ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गाँधी दर्शन, दिल्ली के सत्याग्रह मंडप में एक सम्मान समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर देशभर के कुल 11 युवाओं को निर्मला देशपांडे शांति दूत सम्मान गांधी दर्शन के निदेशक श्री दीपंकर श्री ज्ञान, विंग कमांडर अनुमा आचार्य, डा 0 प्रदीप कुमार, विजय शर्मा, डा 0 नीलिमा कामराह, सुश्री प्रिया वर्मा, श्री दीपक कथूरिया, सुश्री सुमी इक़बाल, सुश्री प्रज्ञा नारंग, डा0 मोहम्मद बिलाल, श्री ओमर सलीम पीरजादा, श्री मोहम्मद जुहूर तथा 7 युवाओं श्रीमती कुतुब किदवई, परवीन तंवर, श्रीमती एनी, सुश्री अर्चना बहुगुणा, निवेथा देवेंद्रन, श्री मधुसूदन दास, आर्चिशमान राजू का आग़ाज़-ए-दोस्ती सम्मान से सम्मानित किया गया । ये वो युवा है जो गाँधी विचार के प्रचार-प्रसार एवं प्रवाह का प्रेरणादायक कार्य कर रहे हैं। इन युवावों को एक प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, गाँधी साहित्य एवं शाल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

नाबालिग से रेप के आरोपी को किया गिरफ़्तार, घर से भगा कर 2 महीने से कर रहा था देह शोषण

हिलव्यू समाचार

झालावाड़। खानपुर थाना पुलिस ने नाबालिग को बहला -फुसलाकर घर से भगाने और 2 महीने तक रेप करने के एक और मामले में कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहायता से आरोपी युवक मांगीलाल

बैरागी पुत्र प्रेमलाल (23) निवासी रामनगर टापरिया थाना कनवास जिला कोटा ग्रामीण हाल नयागांव गुजरान थाना खानपुर को गिरफ़्तार कर नाबालिक को दस्तयाब किया है।

झालावाड़ एसपी मोनिका सेन ने बताया कि 17 फरवरी को 16 वर्षीय नाबालिग लड़की की माँ ने थाना खानपुर में एक रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि 12 फरवरी को उसके पति के साथ बच्चे खेत पर गए थे। जहाँ से उसकी दो बेटियाँ दुकान से सामान लेने की कह कर निकली। थोड़ी देर बाद छोटी बेटी वापस लौटी। जिस ने बताया कि मांगीलाल व एक अन्य दीदी को बाइक पर बैठाकर ले गए। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। एसपी मोनिका सेन ने बताया कि नाबालिक की तलाश और आरोपी की गिरफ़्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला अपराध अनुसंधान सेल देवेंद्र सिंह, सीओ खानपुर राजीव परिहार एवं थानाधिकारी कमल सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने आरोपी युवक के मोबाइल नंबरों की सीडीआर प्राप्त कर विश्लेषण किया तथा साइबर सेल की सहायता से आरोपी मांगीलाल व नाबालिग को दस्तयाब किया। एसपी सेन ने बताया कि अनुसंधान में पाया गया कि आरोपी युवक मांगीलाल नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर घर से भगा ले गया और कोटा एवं डुंडी के खेत में रख 2 महीने से लगातार अवैध संबंध बनाता रहा। आरोपी के विरुद्ध रेप की विभिन्न धाराओं एवं पोक्सो एक्ट का अपराध प्रमाणित पाये जाने पर गिरफ़्तार किया गया। जिसे कोर्ट में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस दूरसंचार व एससीआरबी के 141 पुलिसकर्मियों को मिला उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान पुलिस दिवस की सात दिवसीय श्रृंखला के अंतर्गत सोमवार को घाट गेट स्थित पुलिस दूरसंचार लाइन में पुलिस अलंकरण समारोह आयोजित कर एससीआरबी एवं पुलिस दूरसंचार के 141 पुलिसकर्मियों को सेवा चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस की 73 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में पुलिस दूरसंचार लाइन पर आयोजित पुलिस अलंकरण समारोह में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस तकनीकी सेवाएं राजस्थान सुनील दत्त द्वारा वर्ष 2019, 2020 और 2021 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस कर्मियों को सेवा चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस समारोह में 14 पुलिसकर्मियों को सर्वोत्तम, 33 को अति उत्तम एवं 102 पुलिस कर्मियों को उत्तम सेवा चिन्ह से नवाजा गया। इस अवसर पर एडीजी दत्त ने सेवा चिन्ह प्राप्त करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए उपस्थित अन्य सभी पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें भी अपने कार्य क्षेत्र में अपने कर्तव्य का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत कर विभाग की छवि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

चित्तौड़गढ़ पुलिस ने 80 लाख कीमत की खैर की लकड़ी से भरा ट्रक पकड़ा, एक गिरफ़्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सीआईडी क्राइम ब्रांच जयपुर की सूचना पर मंगलवार को चित्तौड़गढ़ जिले की निकुंभ थाना पुलिस ने गुजरात बॉर्डर पर नापावली के पास ट्रक को रोक करीब 80 लाख रुपए कीमत की प्रतिबंधित खैर की लकड़ी जब्त कर ट्रक सवार तस्कर को गिरफ्तार किया है। ट्रक में 15 टन और 7 क्विंटल खैर की लकड़ी लोड थी। एडीजी क्राइम डॉ रवि प्रकाश ने बताया कि उत्तर प्रदेश के गाजीपुर निवासी तस्कर सफारुद्दीन खान पुत्र कुतुबुद्दीन प्रतापगढ़ से लकड़ी की तस्करी कर गुजरात ले जा रहा था। जिसे सीआईडी जयपुर की सूचना पर गुजरात बॉर्डर पर चित्तौड़गढ़ जिले की निकुंभ थाना पुलिस द्वारा पकड़ा गया है। गिरफ्तार तस्कर से उनके पूरे नेटवर्क के बारे में चित्तौड़गढ़ पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है।सीआईडी क्राइम के डीआईजी डॉ राहुल प्रकाश ने बताया कि मंगलवार को सीआईडी क्राइम ब्रांच के डीएसपी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रतिबंधित खैर की लकड़ी से भरा एक ट्रक प्रतापगढ़ से लोड होकर निंबाहेड़ा होते हुए मंगलवाड़ की तरफ से गुजरात जा रहा

है। सूचना पर सीआईडी की टीम को रवाना किया गया। लेकिन ट्रक की लोकेशन गुजरात बॉर्डर पर आने के कारण टीम तस्कर से काफी दूर थी। इस पर एडीजी क्राइम के निर्देश पर एसपी चित्तौड़गढ़ को सूचित किया गया। डीआईजी राहुल प्रकाश ने बताया की इस सूचना पर एसपी चित्तौड़गढ़ के निर्देश पर थानाधिकारी निकुंभ व टीम द्वारा ट्रक का पीछा कर नापावली के पास रोका गया। ट्रक की तलाशी में 15 टन और 7 क्विंटल बहुमूल्य खैर की लकड़ी भरी हुई मिली। इस पर थाना पुलिस ने तस्कर सफारुद्दीन खान को गिरफ्तार कर लिया।

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

06

जयपुर >> गुरूवार 21 अप्रैल, 2022

सरकारी कर्मचारियों की सुविधाएँ सीमित की जाएँ

देश के किसी भी राज्य का बजट उठा कर देख लीजिए, राजस्व का लगभग साठ फ़ीसद तो केवल सरकारी कर्मचारियों की तनख़्वाह पर खर्च होता नज़र आएगा, शेष दस फ़ीसद खर्च उन्हें पेंशन देने पर और दस फ़ीसद के क़रीब उस रक़म पर ब्याज देने पर खर्च हो जाता है जो कभी सरकार ने इनकी तनख़्वाह चुकाने के लिए उधार ली थी। यानी कि जनता की गाढ़ी कमाई से वसूले गए कर का क़रीब अस्सी फ़ीसद तो सरकारें अपने मुलाजिमों के वेतन, भत्ते और पेंशन पर खर्च कर देती है, ऐसे में विकास या राहत कार्यों के लिए सरकारों के पास अपने राजस्व का बमुश्क़िल दस से बीस प्रतिशत ही बचता है। लाज़मी है यह प्रश्न उठे कि खुद को जनकल्याणकारी कहने वाली ये सरकारें आख़िरकार कल्याण किसका कर रही है, अपने कुछ लाख कर्मचारियों का जो कुल जमा आबादी का डेढ़ से दो फ़ीसद है या 98 फ़ीसद बाशिंदों का जिसमें करोड़ों गरीबों, किसानों और मज़दूरों का शुमार है?

राज्यों की आमदनी और खर्चे के हिसाब को देख कर तो लगता है कि इन करोड़ों-करोड़ ग़रीबों, जिनकी सुरक्षा का ज़िम्मा सरकारों का होना चाहिए, का वजूद सरकारी विज्ञापनों और नारों के सिवाय कही है ही नही। तभी इन ग़रीबों की कमाई कभी तो ट्रैक्टर या ट्रक के डीज़ल से चुराई जाती है तो कभी ऑटो रिक्शा के पेट्रोल से और कभी खाद के कट्टे से निकाली जाती है तो कभी हाई वे के टोल से। यहाँ तक कि दवाओं और इलाज़ पर भी भारी भरकम टैक्स लगा कर वक़्त के मारे मजलूमों की जेब पर डाका डाला जाता है। फिर गांधी के इस देश में दरिद्रनारायण से कर के नाम पर लूटा गया ये अरबों रुपया चंद लाख उन कर्मचारियों की बहबूदी पर खर्च कर दिया जाता है, जिनके कारनामों से नितरोज़ अख़बार रंगे रहते है।

इनकी कारगुज़ारियों के चलते दुनियाँ की कोई कम्पनी भारत में कारोबार नहीं करना चाहती है। केवल 2014 से 2022 के बीच के आठ सालों में ही फ़ोर्ड, हार्ली, जनरल मोटर्स जैसी 2783 कम्पनियाँ जो लाखों लोगों को रोज़गार उपलब्ध करवा रही थी, हमारी अफ़सरशाही के रवैए, मनमाने क़ानूनों और बेढंगे करारोपण से इतनी परेशान हो गयी कि अपनी फ़ैक्टरियाँ और कारोबार बंद करके भारत से निकल गयी। हमारा इससे बड़ा क्या दुर्भाग्य होगा कि जब कोरोना और नई बनी भूराजनैतिक परिस्थितियों के चलते हज़ारों मैन्यूफेक्चरिंग कम्पनियाँ चीन से निकलना चाह रही थी तब इन्ही सब कारणों से अधिकांश बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत की जगह वियतनाम और साउथ कोरिया जैसे मुल्कों को तरज़ीह दी। विश्वास कीजिए अगर ये सभी कम्पनियाँ चीन से भारत आ जाती तो भारत की अर्थव्यवस्था अगले एक दशक में ही चार से पाँच गुना बड़ी हो सकती थी, जो भारत के लिए युगांतकारी साबित होता।

चीन और पाकिस्तान तो नाहक बदनाम है, दर हक़ीक़त हमे असल ख़तरा ही हमारी भ्रष्ट अफ़सरशाही और कम अक़्ल अनैतिक राजनैतिक नेतृत्व से है, जो निहित स्वार्थों के कारण भारत को अपनी सौ फ़ीसद क्षमता से आगे नहीं बढ़ने दे रहे। नहीं तो क्या कारण है कि दुनियाँ की सत्रह फ़ीसद आबादी वैश्विक जीडीपी का केवल तीन फ़ीसद पैदा करती है, जबकि पहली से अट्ठारहवी सदी तक भारत वर्ल्ड जीडीपी का बीस प्रतिशत से अधिक पैदा करता रहा है।

1935 में जब राज्यों को पूर्ण स्वायत्ता दी गयी तो ब्रिटिश नौकरशाही

सुनील शर्मा
सुरेश ज्ञानविहार
विश्वविद्यालय, जयपुर

को नई चुनी हुई सरकारों और जनप्रतिनिधियों (जो अब पूर्णतः भारतीय थे) से संवैधानिक सुरक्षा दी गयी, जिससे कि भारतीय मंत्री या मुख्यमंत्री किसी अंग्रेज अफ़सर के ख़िलाफ़ कोई कार्यवाही न कर सके, ये सारे सुरक्षा उपबंध हमारे संविधान में अनुच्छेद 310 और 311 के रूप में ज्यों के त्यों रख लिए गए। नतीजन देश के प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को तो हटाया जा सकता है किंतु छोटे से छोटा मुलाजिम, जो एक बार सरकारी अमले में घुस गया, को हटाना लगभग नामुमकिन है, भले ही वो काम करे या ना करे, भले ही वो भ्रष्टाचार कर जेल चला जाए, बावजूद इसके आपको विरले ही उदाहरण मिलेंगे जब किसी कर्मचारी को उसके जॉब से हटाया गया हो, हटाना तो छोड़िए नब्बे फ़ीसद मामलों में तो सारे सबूत होने के बावजूद सरकारें अभियोजन स्वीकृति भी नहीं देती। पूरे देश में आपको एक भी उदाहरण नहीं मिलेगा जब वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य सिद्धांत no work no wages के आधार पर किसी सरकारी कर्मचारी को उस द्वारा किए गए काम के अनुपात में तनख़्वाह दी गयी हो और न ही इस बाबत कोई असरदार उपबंध मिलेगा। दिलचस्प बात तो ये है कि 'लोकसेवक' कहे जाने वाले इन अधिकारियों की सेवावृद्धि या वेतनवृद्धि या पदवृद्धि में उस 'लोक यानी पब्लिक' से कोई फ़ीडबैक नहीं लिया जाता, जिनकी सेवा के लिए इन सेवकों को नियुक्त किया गया है और जिनकी गाढ़ी कमाई से उन्हें तनख़्वाह दी जाती है।

शायद आम चुनावों के आयोजन में सरकारी कर्मचारियों की महती भूमिका ने इन्हें एक प्रेशर ग्रुप के रूप में परिवर्तित कर दिया है जिसे हर राजनैतिक दल अपने राइट साइड में रखना चाहता है, जिससे कि उनकी सत्ता क़ानूनी या ग़ैरक़ानूनी किसी भी तरीक़े से सुरक्षित रहे। लाज़मी है कि ऐसे अनुत्पादक और ग़ैर जवाबदेह किंतु सत्ता समीकरणों पर व्यापक असर डालने वाले समूह की समृद्धि को बरकरार रखने लिए सरकारें निरीह जनता पर नित नए करों का बोझ डाले। यहाँ तक कि कोरोनो लॉक डाउन से आई भीषण मंदी के वक़्त, जब पूरी दुनिया भीषण आर्थिक संकट से जूझ रही थी तब भी सरकारें अपने इन चहेतों को बोनस और बढ़े हुए भत्ते देना नही भूली। नतीजा, आज परचेज प्राइज़ पैरिटी में हमारी ब्यूरोक्रेसी दुनिया की सर्वाधिक वेतन भत्ते लेने वाली अफ़सरशाही बन गयी है।

यही कारण है कि हमारा युवा उद्यमशीलता, जो किसी भी मुल्क की समृद्धि का मात्र रास्ता होता है, अपनाने की जगह एक अदद सरकारी नौकरी के पीछे पड़ा है। इसी मनोग्रंथी का लाभ उठाने के लिए विभिन्न राजनैतिक दल अपने घोषणापत्रों में सरकारी नौकरी की गाजर लटका कर विभिन्न जातीय समूहों के वोट बटोरते दिखाई देते है। ये सब देख कर लगता है हमारी लोकतांत्रिक सरकारों की अवधारणा ही शेष दुनिया से भिन्न है। हम सम्भवतया एक ऐसी शासन व्यवस्था में रह रहे है जो 'सरकारी कर्मचारियों द्वारा, कर्मचारियों की, कर्मचारियों के लिए चलाई जा रही व्यवस्था है जिसके मूल में अयोग्य, अदूरदर्शी, अनैतिक स्वार्थी राजनैतिक नेतृत्व है।'

ये अवधारणा तभी समाप्त की जा सकती है जब संसद दो क़ानून पारित करे कि (1) वेतन, भत्ते और पेंशन पर राज्य की अधिकतम खर्च सीमा अपने राजस्व का पचास प्रतिशत हो साथ ही नो वर्क नो वेजेज़ सख़्ती से लागू हो (2) सरकारी जॉब्ज़ न्यूनतम पाँच अधिकतम पंद्रह वर्ष के लिए अनुबंध के तहत हो, अनुबंध समयावधि पूर्णतः कार्यकुशलता, शुचिता और कर्तव्यनिष्ठा और पब्लिक फ़ीडबैक आधारित हो। मुझे पता है आज के दौर में ये सब सोचना एक दिवास्वप्न है मगर यक़ीन मानिए भारत के आगे का रास्ता इन दो क़ानूनों से हो कर ही गुजरता है।

गर्मी में स्किन में निखार लाने के लिए ख़ास टिप्स

तपती गर्मी के इस मौसम में गर्म हवाएं आपकी सेहत को जितना प्रभावित करती हैं, उतना ही आपकी स्किन को भी करती हैं। आपको पता है गर्म हवाएं और सूर्य से निकलने वाली किरणें स्किन पर सीधा प्रभाव डालती हैं। गर्मियों में आपको त्वचा का डिहाइड्रेड हो जाना, टेनिंग की समस्या, स्किन का ग्लो कम हो जाना जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तपती गर्मी के मौसम में त्वचा की देखभाल करना उतना आसान नहीं होता। इस मौसम में त्वचा बहुत जल्दी झुलसती व मुरझाती है। आइये जानते हैं गर्मियों में स्किन की देखभाल कैसे करें।

त्वचा में ग्लो बनाये रखने के लिए बेसन, ओटमील, हल्दी पाउडर में दूध या क्रीम मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। 10 मिनट तक चेहरे पर इसे लगा रहने दें, बाद में पानी से चेहरा धो लें। इससे आपके चेहरे पर ग्लो आएगा और गर्मी में स्किन दमकी-दमकी रहेगी।

गर्मियों में तेज धूप के कारण टेनिंग की समस्या भी देखी जाती है। स्किन से टेन हटाने के लिए कच्चे दूध और बेसन का पेस्ट बनाएं और इसमें नीबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अब इस पेस्ट से अपने चेहरे पर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। अब कुछ देर बाद पानी से धो लें। इससे आपका चेहरा मॉश्चुराइज रहेगा।

गर्मियों में स्किन की देखभाल के लिए गुलाब जल का प्रयोग करें। इसका प्रयोग करने के लिए कॉटन बॉल को गुलाब जल में डीप करें और फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं।

हल्दी चूर्ण, बेसन तथा मुल्तानी मिट्टी समान मात्रा में मिलाकर जल में घोलकर पेस्ट बना लें। अगर चेहरे पर रिंकल आ रहे हैं तो इसका लेप करें। आधे घंटे बाद कुनकुने पानी से धो डालें। चेहरे पर निखार आएगा और साथ ही स्किन कूल भी रहेगी।

पपीते को क्रश करके 15 मिनट तक लगायें और फिर ठंडे पानी से मुंह को साफ करें। चेहरे पर पपीते को क्रश करके लगाने से स्किन का निख़ार ख़राब नहीं होता है।

गर्मियों में टैनिंग से बचने के लिए जहां तक हो सके, शरीर को ढ़ककर रखें और ढ़ीले कपड़े पहनें। इसके साथ बाहर से घर पहुंचते ही अपने चेहरे को पानी से धोयें। जिससे चेहरे पर चिपकी धूल और मिट्टी निकल जाये।

हमारे वन्य जीवः शेर

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,

बच्चों शेरों के बारे में सोचते हुए हमें तरह तरह के शेरों का ख़्याल कभी नहीं आता , है न! हमेशा यही लगता है कि गर्दन के आस-पास बड़ी ही तरतीब से सजे हुए लंबे लंबे बालों वाला दहाड़ कर हमें डराने वाला गंभीर कस्मि का जानवर ही शेर है । वो भी अलग-अलग जगहों पर अलग अलग रूपों में पाया जायेगा, या पास्ट में कभी अलहदा कस्मि का भी रहा होगा जो अब एक्सटिंक्ट हो चुका है , ये तो हम सोचते ही नहीं हैं। है न!

पर वस्तुस्थिति एकदम अलग है । अब आप इन अफ्रीकन लायन साहब को ही ले लीजिए जो पूरे विश्व में तथाकथित रूप से लोकप्रिय हैं। लेकिन पिछले पच्चीस सालों में इनकी संख्या आधी रह गई है और वो भी हम इंसानों से संघर्ष ही जिसका कारण है ।इनके खिलाफ बहुत कुछ ऐसा होता रहता है जो इनकी खुशनुमा जिंदिगी में बाधक है । चलिये इनके बारे में जानते हैं।

साउथ अफ्रीका के खुले जंगलों, स्क्रब्स और ग्रासलैंड्स में ये विचरण करते हैं । तक़रीबन साढ़े चार से क़रीब ग्यारह फ़ीट लंबाई व चार फ़ीट ऊँचाई तथा दो सौ पैंसठ से चार सौ पौंड्स के वजन वाले अफ्रीकन लायन दुनिया के सैंकण्ड लार्जेस्ट शेर होते हैं। इनमें मेल मेंबर्स के सिर और गर्दन के आस-पास गोल्डन या ब्लोंड के साथ ब्राउन रंगों के उगे हुए मेन्स या बाल , जो हमें सबसे पहले और सबसे ज़्यादा आकर्षित करते हैं , दरअसल मूलतः इनकी सुरक्षा के लिए होते हैं। जब ये मेल शेर आपस में लड़ते हैं तब ये झाड़ी जैसे बाल ही इन्हें बचाते हैं।

पर दूसरी तरफ़ ये शेर एक दूसरे के प्रति अफेक्शनेट भी होते हैं । टचिंग, परिंग, हेड-रबिंग, लिकिंग इन्हें बहुत पसंद होता है । इनकी रोअर पाँच मील तक सुनी जा सकती है और ये एक दूसरे को पुकारते भी रोअर से ही हैं।

तीन महीनों के जेस्टेशन पीरियड में फ़ीमेल लायन तीन से चार शावकों को जन्म देती है। मेल लायन तीन-चार साल बाद अपना प्राइड छोड़ देता है जबकि फ़ीमेल लायन ताउम्र वहीं रहती है। फ़ीमेल की उम्र भी मेल लायन से ज़्यादा होती है । लगभग आठ से पंद्रह साल इनका लाइफ़स्पैन बताया गया है। इन्हें ज़ीब्रा, हिरण ,वार्थोग जो कि एक कस्मि का जंगली पिग होता है, का आहार पसंद होता है। बच्चों ये हैं तो शेर, मगर कभी-कभी इन्हें भी कैनाइन -डिस्टेम्पर और टिक्स जो कि डॉगीज़ की बीमारियाँ हैं, वग़ैरह का शिकार होना पड़ता है जो इनकी मौत का कारण बन सकती हैं। हैबिटैट-लॉस, ट्रॉफ़ी-हंटिंग, अपने लाइवस्टॉक को बचाने के लिए मार देना , फ़र के लिये पोचिंग किया जाना कुछ अन्य वजहें हैं जो इनकी संख्या लगातार कम किये दे रही हैं। है न् कितनी अफ़सोस की बात!

क्रमशः

डॉ कविता माथुर

जेडीसी ने अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स को समय सीमा में पूरा करने पर रहेगा फोकस, जयपुर के विकास को मिलेगी गति

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त रवि जैन ने शनिवार को जेडीए के मंथन सभागार में अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए जयपुर शहर में निर्माणाधीन, प्रस्तावित एवं अन्य प्रोजेक्ट्स की विस्तृत जानकारी ली।

जेडीसी रवि जैन ने बैठक में वर्तमान में जिन प्रोजेक्ट्स का कार्य प्रगति पर है उनको निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए अभियांत्रिकी शाखा के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जेडीसी ने सभी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की संबंधित अभियांताओं से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही सभी अभियांताओं से उनके जोन एवं कार्य क्षेत्राधिकार की जानकारी भी ली।

जेडीसी ने सोडाला तिराहे से एल.आई.सी. ऑफिस अम्बेडकर सर्किल तक एलीवेटेड रोड की विस्तृत जानकारी लेते हुए शेष कार्य निर्धारित तिथि 31 मई 2022 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियंताओं को प्रोजेक्ट की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए दैनिक प्रगति रिपोर्ट बनाकर विश्लेषण करें। साथ ही करतारपुरा नाले की विस्तृत जानकारी भी ली।

जेडीसी ने सभी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की संबंधित अभियांताओं से विस्तृत जानकारी ली। साथ ही सभी अभियांताओं से उनके जोन एवं कार्य क्षेत्राधिकार की जानकारी भी ली।

जेडीसी ने सोडाला तिराहे से एल.आई.सी. ऑफिस अम्बेडकर सर्किल तक एलीवेटेड रोड की विस्तृत जानकारी लेते हुए शेष कार्य निर्धारित तिथि 31 मई 2022 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियंताओं को प्रोजेक्ट की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए दैनिक प्रगति रिपोर्ट बनाकर विश्लेषण करें। साथ ही करतारपुरा नाले की विस्तृत जानकारी भी ली।

जेडीसी ने जयपुर-सीकर रेलवे लाइन पर तीन लेन एलीवेटेड रोड झोटवाड़ा के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उत्तरी रिंग रोड परियोजना के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। साथ ही उन्होंने उद्यानिकी शाखा के कार्यों के बारे में भी जाना। बैठक में गाँधी दर्शन म्यूजियम के बारे में जानकारी ली।

बैठक में जेडीसी ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विभिन्न महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स सिविल लाइन्स रेलवे क्रोसिंग पर आर.ओ.बी. का निर्माण, रामनिवास बाग भूमिगत पार्किंग, फेज ।।, जयपुर, राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर, राजभवन में संविधान पार्क का निर्माण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य, मुख्यमंत्री जन आवास योजना-2015, पृथ्वीराज नगर (उत्तर) में सीवरेज कार्य, पृथ्वीराज नगर (दक्षिण) में पैकेज-। फेज-। के तहत सीवरेज कार्य, द्रव्यवती नदी पुनरोद्धार परियोजना, बी-2 बाईपास जंक्शन, टोंक रोड पर ट्रेफिक सुधारिकरण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य, जवाहर सर्किल पर ट्रेफिक सुधारिकरण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य, लक्ष्मी मंदिर जंक्शन, टोंक रोड पर ट्रेफिक सुधारिकरण एवं सौन्दर्यकरण का कार्य, लक्ष्मी मन्दिर तिराहा पर स्वतन्त्रता सेनानियों की मूर्तियाँ लगाने का कार्य, गांधी दर्शन म्यूजियम एवं आईपीडी टावर एवं हृदय रोग संस्थान के बारे में जानकारी प्राप्त की। श्री जैन ने पूर्ण हुए प्रोजेक्टों की जानकारी भी प्राप्त की।

बैठक में जेडीए सचिव, निदेशक (वित्त), निदेशक (अभियांत्रकी), वन संरक्षक, समस्त अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, अधीक्षण अभियन्ता, अधिशाषी अभियान्ता एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

रात को सोने से पहले करें ये काम करने से खिल उठेगा चेहरा

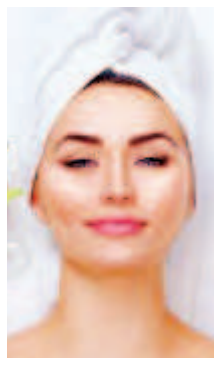

हम देखते हैं कि दिन भर भागदौड़ की वजह से स्किन रूटीन में ज़्यादातर लोग ध्यान नहीं दे पाते, लेकिन अगर रात को सोते समय ही कुछ काम कर लिया जाए तो स्किन के लिए काफ़ी फ़ायदा हो सकता है. स्किन एक्सपर्ट्स की मानें तो त्वचा से जुड़ी तमाम परेशानियों से हमेशा दूर रहना चाहते हो तो आपको बिस्तर पर जाने से पहले ये 5 काम करने होंगे।

स्किन का ख़्याल रखने के लिए सोने से पहले करें ये काम

1. पानी से चेहरा धोना जरूरी

त्वचा की देखभाल के लिए रात को सोने से पहले कुछ बातों को अमल करना ज़रूरी होता है और उसमें सबसे पहले आता है साफ़ पानी से चेहरे को धोना। रात को सोने से पहले आपको चेहरे को साफ पानी से धोना चाहिए, क्योंकि स्किन की अशुद्धियों को दूर करने के लिए पानी काफ़ी आवश्यक होता है। रात को सोने से पहले चेहरा धोने से धूल निकल जाती है.।

2. हर्बल फेस मास्क का यूज करें

रात को सोने से पहले चेहरे पर अगर आप हर्बल फेस मास्क लगाते हैं तो स्किन को स्वस्थ और पौषक रख सकते हैं। हर्बल फेस मास्क से स्किन में खोए हुए पोषक तत्वों के अलावा नमी की भरपाई हो जाती है, जो आपकी स्किन के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है। आप सोने से पहले, एलोवेरा, मुल्तानी, खीरे या चंदन का पाउडर लगा सकती हैं।

3. स्किन को मॉइस्चराइज करना ज़रूरी

अगर आपकी त्वचा रूखी हो गई है तो सोने से पहले फेस के साथ पूरे शरीर पर क्रीम, लोशन या नारियल तेल का प्रयोग करें, इससे स्किन पर नमी आ सकती है। इसे लगाकर सोने से त्वचा में नमी बनी रहेगी और समय से पहले हो रही झुर्रिया भी ठीक हो जाएंगी।

4. बालों की मालिश करना ज़रूरी

स्किन के साथ-साथ आप रात को सोने से पहले बालों की भी मसाज़ कर सकती हैं। ऐसा करने से आपकी पूरे दिन की थकान मिट जाएगी और आप गहरी नींद सो पाएंगी। गहरी नींद सोने के कारण आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी।

5. आंखों की इस तरह करें देखभाल

आँखों की सतह का हिस्सा काफ़ी सबसे संवेदनशील है इसलिए इसकी अतिरिक्त देखभाल करने की ज़रूरत ज़्यादा होती है। आँखों के आस-पास की त्वचा पर हो रहे काले दागों को दूर करने के साथ ही झुर्रियों को दूर करने के लिए आंखों की क्रीम का इस्तेमाल करना काफ़ी ज़रूरी होता है, इसलिए रात को सोने से पहले आंखों के नीचे क्रीम को लगाना ना भूलें।

रीट पेपर लीक की जांच में कई रसूखदार ईडी की रडार पर

जयपुर। रीट पेपर लीक मामले में अब कई रसूखदार और पहुंचवालों से भी केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की ओर से पूछताछ की जाएगी। ईडी ने पेपर लीक करने में करोड़ों का लेनदेन सामने आने के बाद प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। ईडी की राजस्थान ब्रांच ने केस दर्ज किया है। जल्द सभी आरोपियों को ईडी समन जारी करने की तैयारी में है। अगले सप्ताह आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी और पूछताछ शुरू होने की संभावना है। फिलहाल रीट मामले की जांच एसओजी कर रही है। 40 से ज्यादा आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें से 11 जमानत पर बाहर आ चुके हैं। ईडी सभी आरोपियों से पैसे के लेनदेन और उसके सोर्स को लेकर पूछताछ करेगी। उन आरोपियों पर फोकस कर रही है, जिन्होंने पैसे का लेनदेन किया था।

बाड़मेर के ठेकेदार भजनलाल को रामकृपाल से पेपर खरीदने के आरोप में एसओजी ने गिरफ्तार किया था। उससे 71 लाख जब्त हुए थे। उसे हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। रामकृपाल ने जिन अलग-अलग लोगों से 1 करोड़ 22 लाख रुपए एकत्रित किए थे, उनमें से 71 लाख रुपए भजनलाल के पास पहुंचाए गए थे। एसओजी ने भजनलाल की निशानदेही पर 71 लाख रुपए जब्त किए थे, जबकि 11 लाख रुपए बैंक खाते में सीज कराए थे।

ईडी अब राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बर्खास्त अध्यक्ष डीपी जारौली, कोऑर्डिनेटर प्रदीप पराशर, रीट पेपर का सौदा करने वाले मुख्य आरोपी रामकृपाल मीणा, रामकृपाल से आगे पेपर खरीदने वाले सभी आरोपियों को पूछताछ के लिए बुलाएगी। रीट धांधली के 11 आरोपी जमानत पर बाहर आ चुके हैं। इनमें अमृत लाल, भजन लाल, भारती मीणा, उद्याराम, सोहनी, प्रदीप पाराशर, सविता चौधरी, भजन लाल विश्नोई, नरेंद्र विश्नोई और नीतीश कुमार की नियमित जमानत अर्जी स्वीकार की है। रीट पेपर लीक मामले की एसओजी जांच में शिक्षा संकुल के स्ट्रॉन्ग रूम से पेपर लीक होने के सबूत मिले थे। मुख्य आरोपी स्कूल संचालक रामकृपाल मीणा ने पेपर लेकर आगे बेचा था। यह सौदा करोड़ों में हुआ था।

युवा प्रदेश अध्यक्ष डॉ ऋषि माथुर सम्मानित

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ ऋषि माथुरजी का प्रदेश कार्यालय में जयपुर जिला अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सक्सेना व जयपुर जिला महामंत्री श्री रवि माथुर ने साफा पहनाकर व प्रदेश अध्यक्ष श्री कुलदीप माथुर जी व श्री धर्मेंद्र जौहरी जी ने शॉल ओढ़ाकर स्वागत व सम्मान किया। कार्यक्रम में डॉ ऋषि माथुर ने अपनी टीम विस्तार करते हुए श्री मयूर सक्सेना जी को प्रदेश महामंत्री व श्री संकेत श्रीवास्तव को जयपुर युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष बनाया। कार्यक्रम में युवा महामंत्री श्री मयूर सक्सेना जी को भी साफा व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री देवेन्द्र सक्सेना राष्ट्रीय सचिव, श्री अनील माथुर, श्री राजेश सक्सेना, नीरज कुलक्षेष्ठ (सभी प्रदेश सचिव), श्री विनय स्वरूप माथुर प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री राकेश कुलक्षेष्ठ पूर्व अध्यक्ष राजस्थान कुलक्षेष्ठ सभा, श्रीमति दीपा माथुर जी आमन्त्रित सदस्य, श्री अनिल भटनागर सदस्य जयपुर कार्यकारिणी आदि उपस्थित थे।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

07

जयपुर >> गुरूवार 21 अप्रैल, 2022

रिश्ते की मिठास से अंजान आज के बच्चे

दादा-दादी के बिना अधूरा-सा लगता है बचपन

दादी-नानी संस्कारों की खान होती हैं. ये लोग एक माध्यम होते हैं, जो सशक्त तरीके से वर्तमान और भविष्य को थामे हुए हैं. जैसे-जैसे समय बदलता गया, इस रिश्ते में भी बदलाव आते गए. दादी-नानी नाम के इस वृक्ष के मायने भी बदलने लगे. अगर देखा जाए तो इस वृक्ष की घनी छांव के बिना जीना मुश्किल है, पर आज ऐसे कई बच्चे हैं जो दादा-दादी या नाना-नानी के बिना अपना बचपन बिता रहे हैं. इस मीठे से रिश्ते की मिठास से अनभिज्ञ हैं. इसका कारण कई तरह के सामाजिक बदलाव हैं. संयुक्त परिवार टूटे, फिर एकल परिवार आए और आज एकल परिवार भी बहुत कम देखने को मिलते हैं क्योंकि आजकल न्युक्लियर फैमिली का चलन है अर्थात ऐसा परिवार, जिसमें सिर्फ पैरेंट्स और बच्चे ही होते हैं. दादी-नानी से आपके बचपन की हर छोटी-बड़ी यादें जुड़ी होती हैं. दादा-दादी और नाना-नानी के बिना बचपन अधूरा-सा लगता है. उनकी सुनाई हुई कहानियों में जीवन के सबक मिलते हैं. उनके साथ खेले गए खेलों में जीवन जीने की कला छिपी होती है. याद करें, खुद छड़ी का सहारा लेकर चलनेवाले दादा ने कई बार आपको खेलते समय गिरने से बचाया होगा. कई बार दादी-नानी ने अपनी बूढ़ी कमजोर आंखों से आपको कहानियां पढ़कर सुनाई होंगी. पाश्चात्य संस्कृति में चाहे इस रिश्ते को जनरेशन गैप के नजरिए से देखा जाता हो, पर हमारे समाज में दादी-नानी को बच्चों की पहली पाठशाला माना जाता है.

जीवन का सबक

जानकार मानते हैं कि बच्चे देखकर सीखते हैं, खासकर बात जब जीवन के सबक की हो, जो किसी किताब में नहीं मिलता. आप एक पल के लिए खुद ही सोचकर देखें कि आपको भगवान के सामने हाथ जोड़ने की आदत किससे लगी? आपको बड़ों का सम्मान और छोटों से प्यार करने की सीख किसने दी? आपने रिश्तों के मायने और उनकी गरिमा के बारे में किससे सीख ली? आपको रीति-रिवाजों और अपनी संस्कृति का ज्ञान कहां से मिला? आपको एक ही उत्तर मिलेगा और वह है आपके दादा-दादी या नाना-नानी से. इन सबके अलावा दादा-दादी और नाना-नानी परिवार को पूर्णता का एहसास कराते हैं.

अनुभूति का विषय

दादा-दादी और पोते-पोतियों का रिश्ता चर्चा का विषय न होकर अनुभूति का विषय है, क्योंकि इसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है. यह सच है कि बच्चे अपने पैरेंट्स की बजाय अपने ग्रैंड पैरेंट्स के ज्यादा करीब होते हैं. ग्रैंड पैरेंट्स होना बहुत ही जिम्मेदारी का काम होता है. उनका काम बच्चों को प्यार देना या उनकी हर अच्छी-बुरी इच्छाओं को पूरा करना ही नहीं है, इससे बच्चे बिगड़ जाएंगे. वे बच्चों का साथ तभी दें, जब वे सही हों. उन्हें बताएं कि क्या सही है और क्या गलत! उन्हें अनुशासित करें. बच्चे खाली स्लेट के समान हैं. उस पर क्या लिखना है, यह आपको तय करना है.

संस्कृति का अभिन्न हिस्सा

दादा-दादी हमारे घर-परिवार व संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं और हमेशा रहेंगे. बच्चे बैठाकर सिखाने से नहीं सीखते. वे वैसा ही आचरण करते हैं, जैसा बड़ों को करते हुए देखते हैं. आप उन चीजों की अपेक्षा बच्चों से नहीं कर सकते, जो आप खुद नहीं करते और यह बात दादा-दादी बहुत अच्छे से जानते हैं. यह रिश्ता बहुत ही प्यारा और अनमोल होता है. बच्चे के लिए भी और दादा-दादी के लिए भी. वे अपने पोते-पोतियों में एक बार फिर अपना बचपन देखते हैं और अपने बचपन को फिर से एक बार जीते हैं. आज जाने-अनजाने इस रिश्ते में कई सारे बदलाव और कुछ दूरियां भी आई हैं, जिसका सीधा असर बच्चों के बचपन और भविष्य में उनके व्यक्तित्व पर पड़ रहा है. कहीं न कहीं वे अकेले भी होते जा रहे हैं.

नैतिक ज्ञान की कमी

आज बच्चों को कई तरह के एक्सपोजर मिल रहे हैं, पर उस एक्सपोजर का उपयोग किस तरह किया जाए, इसके लिए उनके पास मॉरल नॉलेज मतलब नैतिक ज्ञान नहीं है. ऐसे में कभी-कभी बच्चे भटक जाते हैं. यह ज्ञान या तो उन्हें पैरेंट्स से मिलता है या फिर इसके सबसे अच्छे स्रोत हैं हमारे बुजुर्ग. इन दो पीढ़ियों का तालमेल काफी अच्छा होता है. बच्चे बुजुर्गों की बातें काफी जल्दी समझ जाते हैं. इसका कारण है बुजुर्गों का अनुभव. साथ ही देखा जाए, तो हर उम्रदराज व्यक्ति में कहीं न कहीं एक बच्चा छुपा होता है. एक भरे-पूरे परिवार में रहनेवाला बच्चा ज्यादा आत्मविश्वासी और भावनाओं के स्तर पर संतुलित रहता है.

समस्या से ग्रस्त रिश्ता

यदि आज कहीं पर भी दादा-दादी और पोते-पोतियों का रिश्ता इस समस्या से ग्रस्त है तो इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार हम ही हैं, क्योंकि हम बड़े हैं. बच्चों से ऐसी अपेक्षाएं रखना ही गलत है. आप यदि दादा-दादी होने के नाम पर संस्कारों और विचारों की पूरी गठरी बच्चों के सिर पर रख देंगे, तो वे उसे उतारकर फेंक देंगे. आज की पीढ़ी की तुलना हम अपने समय से नहीं कर सकते. आज बच्चे अत्याधुनिक जानकारियों से लैस हैं. उस हिसाब से आज दादा-दादी को भी खुद को बदलना पड़ेगा. किसी भी उम्र के बच्चे अपने ऊपर थोपी गई चीजों को ग्रहण नहीं करते. ग्रैंड पैरेंट्स को किसी चीज को उन्हें समझाने के लिए पहले खुद उनकी उम्र का बनना पड़ेगा. फिर आप खेल-खेल में और उनकी भाषा में उन्हें अपनी बातें बताएं, वे जरूर समझ जाएंगे.

प्रेम और अपनापन

बच्चों की अच्छी परवरिश या तो पैरेंट्स कर सकते हैं या उनकी अनुपस्थिति में ग्रैंड पैरेंट्स. आज माता-पिता दोनों ही वर्किंग हैं, ऐसे में बच्चों को नौकरानी या आया के हवाले करके जाना या किसी क्रेच में रखना उनकी मजबूरी है. पर अगर घर में दादा-दादी या नाना-नानी हैं, तो पैरेंट्स की अनुपस्थिति में भी उनको प्रेम और अपनेपन की कोई कमी नहीं होगी, जो उनके बचपन से अकेलेपन को दूर करेगा और उनमें आत्मविश्वास भी जगाएगा. आज दादा-दादी की जिम्मेदारी सिर्फ कहानियां सुनाने तक ही सीमित नहीं रह गई है.

सोशल STAR 48 वर्षीया ऐश्वर्या की खूबसूरती लाजवाब

बढ़ती उम्र के साथ ज्यादा स्टाइलिश

एक्ट्रेस और पूर्व मिस वर्ल्ड 48 साल की ऐश्वर्या राय बच्चन की खूबसूरती भी उनकी उम्र के साथ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. साथ ही वो पहले से ज्यादा फैशनेबल और स्टाइलिश होती जा रही हैं.

ब्लैक कलर से है लगाव

ऐश्वर्या को ब्लैक रंग से लगाव है और इस बात में कोई शक नहीं है कि वो ब्लैक कपड़ों में शानदार लगती हैं. ऐश्वर्या कहती हैं, ब्लैक में खूबसूरती निखरती है लेकिन खासकर शाम की पार्टियों में ब्लैक और गोल्डन प्रेटी लुक देता है.

डिफरेंट स्टाइल ऑफ फैशन

ऐश्वर्या को अलग-अलग ओकेजन के हिसाब से कपड़े पहनना उन्हें पसंद है. उनकी स्टाइलिस्ट के अनुसार, अगर ऐश किसी बड़े फैशन इवेंट का हिस्सा बनती हैं तो वो क्लासी कपड़े पहनना पसंद करती हैं. जब वो कान्स जैसे किसी फंक्शन का हिस्सा बनती हैं तो उनकी स्टाइल एकदम डिफरेंट होती है. अगर बात करें इंडियन अवॉर्ड फंक्शन्स की, तो ऐसे मौके पर वो साड़ी, लहंगा या फिटेड इवनिंग गाउन पहनना प्रिफर करती हैं.

एक्सपेरिमेंट करने से हो जाती हैं नर्वस

ऐश्वर्या हमेशा क्लासी कपड़े पहनना पसंद करती हैं और नये एक्सपेरिमेंट करने से नर्वस हो जाती हैं. इस बात में कोई शक नहीं है कि ऐश दुनिया के सबसे फैशनेबल सेलेब्स में से एक हैं, लेकिन वो अपने लुक के साथ नये-नये एक्सपेरिमेंट कभी नहीं करतीं.

वॉर्डरोब में 5 चीजें

ऐश्वर्या के वॉर्डरोब में क्लासिक वेल फिटेड जैकेट, डेनिम जीन्स, शूज-वेजेस और स्टिलटोज, ब्लैक ड्रेस और चिकनकारी कुर्तों का कलेक्शन होता है जो उन्हें काफी पसंद है.

बोधकथा

प्रत्येक क्षण का सदुपयोग

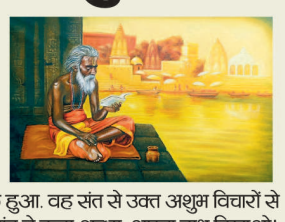

एक धनवान व्यक्ति था, जो बड़ा विलासी था. हर समय उसके मन में भोग-विलास, सुरा-सुंदरी के विचार ही छाए रहते थे. वह खुद भी इन विचारों से त्रस्त था. पर आदत से लाचार, वे विचार उसे छोड़ ही नहीं रहे थे. एक दिन आचानक किसी संत से उसका सम्पर्क हुआ. वह संत से उक्त अशुभ विचारों से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना करने लगा. संत ने कहा अच्छा, अपना हाथ दिखाओ! हाथ देखकर संत भी चिंता में पड़ गए. संत बोले, बुरे विचारों से मैं तुम्हारा पिंड तो छुड़ा देता, पर तुम्हारे पास समय बहुत ही कम है. आज से ठीक एक माह बाद तुम्हारी मृत्यु निश्चित है, इतने कम समय में तुम्हें कुत्सित विचारों से निजात कैसे दिला सकता हूं? और फिर तुम्हें भी तो तुम्हारी तैयारियां करनी होंगी.

वह व्यक्ति चिंता में डूब गया और सोचने लगा, अब क्या होगा! चलो समय रहते यह मालूम तो हुआ कि मेरे पास समय कम है. वह घर और व्यवसाय को व्यवस्थित व नियोजित करने में लग गया. परलोक के लिए पुण्य अर्जन की योजनाएं बनाने लगा कि कदाचित परलोक हो तो पुण्य काम आएगा. वह सभी से अच्छा व्यवहार करने लगा. जब एक दिन शेष रहा तो उसने विचार किया, चलो एक बार संत के दर्शन कर लें. संत ने देखते ही कहा, 'बड़े शांत नजर आ रहे हो, जबकि मात्र एक दिन शेष है!' अच्छा बताओ क्या इस अवधि में कोई सुरा-सुंदरी की योजना बनी? व्यक्ति का उत्तर था, महाराज! जब मृत्यु समक्ष हो तो विलास कैसा? संत हंस दिए और कहा, वत्स! अशुभ चिंतन से दूर रहने का मात्र एक ही उपाय है- "मृत्यु निश्चित है, यह चिंतन सदैव सम्मुख रखना चाहिए और उसी ध्येय से प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए."

ज्ञानकथा

मन चंगा तो कठौती में गंगा

एक वृद्धा के मन में अंतिम समय में नर्मदा-स्नान की चाह हुई. लोगों ने बता दिया कि नर्मदाजी अमुक दिशा में कोसों दूर बहती हैं, तुम नहीं जा पाओगी. वृद्धा न मानी, भगवान का नाम लेकर चल पड़ी. कई दिनों के बाद उसे एक नदी मिली. उसने 'नरमदा तो ऐसी मिलीं रे जैसे मिल गै मतारे और बाप रे' गाते हुए परम संतोष से डुबकी लगाई. कुछ दिन बाद साधुओं का एक दल आया. शिष्यों ने वृद्धा की खिल्ली उड़ाते हुए बताया कि यह तो नाला है, नर्मदाजी तो दूर हैं, हम वहां से नहाकर आ रहे हैं. वृद्धा बहुत उदास हुई. बात गुरुजी तक पहुंची. गुरुजी ने सब कुछ जानने के बाद, वृद्धा के चरण स्पर्श कर कहा- 'जिसने भाव के साथ इतने दिन नर्मदाजी में नहाया, उसके लिए मैया यहां न आ सकें, इतनी निर्बल नहीं हैं. मैया तुम्हें नर्मदा-स्नान का पुण्य है लेकिन जो नर्मदाजी तक जाकर भी भाव का अभाव मिटा नहीं पाया, उसे नर्मदा-स्नान का पुण्य नहीं है. मैया! तुम कहीं मत जाओ, मां नर्मदा वहीं हैं, जहां तुम हो.' 'कंकर-कंकर में शंकर', 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का सत्य भी ऐसा ही है. 'भाव का भूखा है भगवान' जैसी लोकोक्ति इसी सत्य की स्वीकृति है. जिसने इस सत्य को गह लिया, उसके लिए 'हर दिन होली, रात दिवाली' हो जाती है.

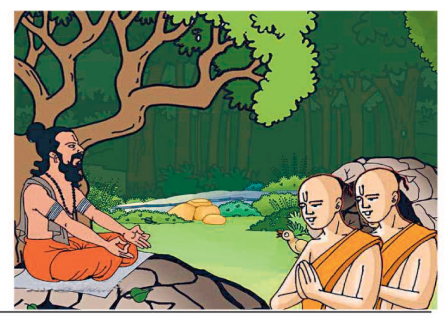

फोन में बुजुर्ग के लिए कई फीचर्स

हार्ट रेट बताएगा F60 5G

Hisense ने अपना नया 5G स्मार्टफोन F60 5G लांच किया है. ऐसा लगता है कि कंपनी का ये नया प्रोडक्ट बुजुर्ग लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है. इसमें बुजुर्गों के लिए कई उपयुक्त फीचर्स हैं. स्मार्टफोन के फीचर्स में फैमिली प्रोटेक्शन, हेल्थ प्रोटेक्शन, मिनिमल इंटरैक्शन और एनजॉयमेंट ऑफ लाइफ शामिल है. कंपनी ने मनोरंजन कोटा पूरा करने के लिए बुजुर्ग लोगों द्वारा उपयोग किए जाने वाले लोकप्रिय एप्स एकत्र किए और गैर-सुरक्षित एप्स इंस्टॉल करने की संभावना को भी कम कर दिया.

फैमिली प्रोटेक्शन

फोन में फैमिली गार्ड फीचर है जिसमें 4 प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं - वॉयस बेस्ड कम्युनिकेशन के लिए रिमोट असिस्टेंट, सेफ रेंज एक्टिविटी के लिए इलेक्ट्रॉनिक फेंस, इमरजेंसी के लिए वन-की SOS और फॉल डिटेक्शन सेंसर शामिल है.

हेल्थ गार्ड

हेल्थ गार्ड फीचर के लिए, फोन शरीर के तापमान मापने वाले सेंसर, हार्ट रेट मॉनिटरिंग और ब्लड-ऑक्सीजन लेवल जैसे फीचर्स के साथ आता है, जो बुजुर्ग लोगों को अपने स्वास्थ्य की निगरानी करने की अनुमति देगा. इसके अलावा, कंपनी का हेल्थ एनालिसिस एल्गोरिथम हृदय रोग के जोखिम को कम करने के लिए स्वास्थ्य मूल्यांकन परिणाम प्रदान करता है. स्मार्टफोन में 6.81 इंच का फुल एचडी + डिस्प्ले है और यह क्वालकॉम स्नैपड्रैगन ऑक्टा-कोर प्रोसेसर द्वारा संचालित है जिसमें 8GB तक रैम और 256GB की इंटरनल स्टोरेज है. डिवाइस एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलता है और इसमें 5000mAh की बैटरी है जो 30W फास्ट चार्जिंग तकनीक को सपोर्ट करती है. फोन में पीछे की तरफ ट्रिपल-कैमरा सेटअप है जिसमें 48-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर, 2-मेगापिक्सल का कैमरा सेंसर और 2-मेगापिक्सल का मैक्रो लेंस शामिल है. फ्रंट-फेसिंग 16-मेगापिक्सल कैमरा सेंसर एक पंच-होल कटआउट के अंदर रखा गया है. डिवाइस एक न्यूनतम और इंटरैक्टिव यूजर इंटरफेस के साथ आती है, जो अधिक सहज आइकन और बड़े फांट के साथ सिस्टम इंफॉर्मेशन डेंसिटी और मेनू डेप्थ को कम करती है.

105 साल की पद्मश्री पप्पाम्मल

देश की सबसे पुरानी किसान

सीनियर INSPIRATION

पद्मश्री पप्पाम्मल को देश की सबसे पुरानी किसान माना जाता है. उनकी उम्र 105 साल है. वह रासायनिक खेती नहीं करतीं, बल्कि स्वयं खाद बनाकर जैविक खेती करती हैं. वह सुबह 4 बजे उठती हैं, साढ़े पांच बजे तक तैयार हो जाती हैं और अपने खेत में पहुंच जाती हैं. फिर पूरा दिन अपने खेतों की फसलों के लिए समर्पित कर देती हैं. उनकी उम्र को उनकी मेहनत का पैमाना न समझें. वह एक बुजुर्ग हैं, लेकिन वह अभी भी पूरी हिम्मत और लगन के साथ खेती में सक्रिय हैं. पप्पाम्मल का जन्म देश की आजादी से करीब 33 साल पहले, वर्ष 1914 में देवलपुरम कोयंबटूर तमिलनाडु में हुआ था. वह कभी स्कूल नहीं गईं. उन्होंने जो कुछ भी गुणा-भाग या गिनती सीखी, वह खेल के माध्यम से सीखा.

कॉफी या चाय नहीं पीतीं

6 फीट लंबी, मजबूत आवाज और मजबूत इरादों वाली पप्पाम्मल कॉफी या चाय नहीं पीती हैं. सिर्फ गर्म पानी ही पीती हैं. पौष्टिक आहार करती हैं. वह टूथपेस्ट की जगह नीम के दातून से अपने दांत साफ करती हैं. आज भी वह नहाने के साबुन की जगह हाथ धोने के लिए मिट्टी और राख का इस्तेमाल करती हैं. वह ग्रामीणों में जागरूकता भी फैला रही हैं.

2.5 एकड़ में करती हैं जैविक खेती

पप्पाम्मल 2.5 एकड़ में जैविक खेती करती हैं. उनके फॉर्म से 2 किलोमीटर दूर भवानी नदी बहती है. वह दालें, सब्जियां, बाजरा और रागी की खेती करती हैं. वह खेती के साथ थेक्कमपट्टी में ही एक दुकान भी चलाती हैं. यहां वह अपने खेत में उगाए गए जैविक उत्पाद बेचती हैं. कृषि के बारे में उनकी समझ यूं ही नहीं हो गई, ये बदलाव साल 1983 से आने लगे थे. वह कोयंबटूर जिले में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) में शामिल हुईं जो अविनाशीलिंगम महिला गृह विज्ञान संस्थान के तत्वावधान में संचालित किया गया था. यहां उन्होंने जैविक खेती और खेती की बारीकियों के बारे में जाना. कहा जा सकता है कि उन्होंने लैब के काम को धरातल पर साबित कर दिया. ऑन-फील्ड प्रशिक्षण ने उन्हें खेती की छोटी-छोटी बारीकियां सिखाईं. बुनियादी प्रशिक्षण लेने के बाद, वह केवीके की स्थानीय प्रबंधन समिति में नेता बन गईं. उन्होंने नेता बनकर गांव की अन्य महिलाओं को खेती से जोड़ा. कुछ समय बाद स्थानीय प्रबंधन समिति वैज्ञानिक सलाहकार समिति (SAC) बन गई. पप्पाम्मल इसकी सदस्य थीं. वह लड़की, जो कभी स्कूल नहीं गई थी, अब वैज्ञानिक सलाहकार समिति की सदस्य थी. वह कई सेमिनारों और सम्मेलनों में भाग लेती हैं. यहां वह किसानों और आम लोगों को जैविक खेती की तकनीकों और लाभों के बारे में बताती हैं. उन्होंने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के भी साथ मिलकर काम किया. वह विश्वविद्यालय की ओर से कई दौरे भी करती हैं. छात्रों को जैविक खेती के बारे में बताया. वह कहती हैं, 'उर्वरक और कीटनाशकों को लेकर मेरी अपनी नापसंद और डर है. जब कृषि में रसायनों का बहुत अधिक उपयोग होने लगा, तब भी मैंने जैविक खेती जैसी प्राकृतिक पद्धति को अपनाया. मैंने उन तरीकों का पालन किया जो मैंने अपने पिता के खेत में सीखे थे. रसायनों वाली फसलें हमारी मिट्टी और हमारे ग्राहकों के लिए हानिकारक हैं. उन्होंने केवीके के तहत गांव की महिला किसानों के लिए पहला 'स्वयं सहायता समूह' भी खोला.

सावधानी से करें निवेश

एक ही जगह न इन्वेस्ट करें

अंग्रेजी कहावत 'Don't put all eggs in one basket' धन निवेश करने के लिए हमे सचेत करती है कि हमें एक ही योजना अथवा एक ही बैंक में धन निवेश या जमा करने के बजाय विभिन्न योजनाओं और बैंकों में धन निवेश या जमा करना चाहिए. हमें यह भी जानकारी ले लेनी चाहिए कि अर्जित आय (ब्याज) कर-मुक्त है या उस पर आयकर लगेगा.

म्युचुअल फंड

यदि आप शेयर बाजार के नियमों और उतार-चढ़ाव के बारे में अधिक नहीं जानते हैं तो बेहतर है कि आप शेयर बाजार में सीधे निवेश करने से बचें. यदि आप थोड़ा-बहुत जोखिम ले सकते हैं तो म्युचुअल फंड (Mutual fund) की योजनाओं में निवेश करना लाभदायक हो सकता है, क्योंकि एक निश्चित अवधि के पश्चात होने वाली आय कर-मुक्त हो सकती है. म्युचुअल फंड की योजनाओं की जानकारी के लिए आपको अच्छी और पुरानी उन योजनाओं का चयन करना चाहिए, जिनके परिणाम अच्छे रहे हैं. इसके लिए आपको निष्पादन-विश्लेषण (performance analysis) करना चाहिए.

अधिकतर वरिष्ठ नागरिक पेंशन और अर्जित ब्याज आय पर निर्भर रहते हैं. ऐसे कई मामले मिलते हैं, जब लोग अपना निवेश या जमा किया धन खो बैठते हैं. यह इसलिए होता है क्योंकि उन्होंने धन निवेश/जमा करने से पूर्व आधारभूत सावधानियों पर ध्यान नहीं दिया. वित्तीय बाजार में पैसा लगाना अत्यन्त जोखिमभरा कदम हो सकता है. शेयर बाजार में जोड़-तोड़, कीमत-खनखनाहट, सर्कुलर ट्रेडिंग, इनसाइडर ट्रेडिंग जैसी प्रवृतियां वर्षों से चल रही हैं, जिन पर अभी तक कोई कारगर उपाय नहीं हुआ है. हां, आधे-अधूरे उपाय जरूर होते रहे हैं पर इनसे निवेशकों को बाजार में विश्वास और स्थिरता नहीं मिल पाती है. सरकार के लिए जरूरी है कि वह वित्तीय बाजार को अधिक नियमबद्ध, पारदर्शी, सरल और विश्वसनीय बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए. वरिष्ठ नागरिक के रूप में हमें भी अपने धन को निवेश करने से पूर्व सावधानियां बरतनी चाहिए.

सुरक्षित माध्यम

बैंकों (विशेषकर राष्ट्रीयकृत बैंक) और पोस्ट-ऑफिस की सावधिक जमा योजनाओं में धन जमा करना एक सुरक्षित माध्यम है. हमे धन जमा करने से पहले मिलने वाले ब्याज, अवधि, कर-प्रभावों आदि पर ध्यान देना चाहिए. अनेक वरिष्ठ नागरिक अपनी समस्त धनराशि कोआपरेटिव बैंक की किसी आकर्षक जमा-योजना में जमा कर देते हैं और ऐसे अनेक मामले देखने को मिले हैं, जब कोआपरेटिव बैंक के फेल जाने पर समस्त जमा धन डूब जाता है. अतः कोआपरेटिव बैंक में धन जमा करते वक्त अत्यन्त सतर्कता की जरूरत है.

नॉमिनेशन अवश्य करें

जब भी आप अपना धन किसी भी योजना में निवेश करें या किसी बैंक में जमा कराएं तो नॉमिनेशन अवश्य करें, ताकि आपकी असमय मृत्यु हो जाने की स्थिति में आपके नामांकित व्यक्ति को आसानी से आपका जमा धन मिल सके.

कोविड से रिकवरी के बाद भी फेफड़े पूरी तरह से पहले की तरह स्वस्थ नहीं हुए हैं. अभी भी ये रिकवर हो रहे हैं. इन्हें देखभाल की जरूरत है. सर्दियां शुरू हो चुकी हैं. ऐसे में बुजुर्गों को खासतौर पर फेफड़ों का ख्याल रखने की जरूरत है.

सर्दियों में फेफड़ों को दीजिए सुरक्षा कवच

हेल्थ जोन

खुले में एक्सरसाइज से बचें

एक्सपर्ट कहते हैं, सर्दियों में सुबह और शाम को पॉल्यूशन का लेवल अधिक होता है इसलिए खुले में एक्सरसाइज करने की जगह कमरे में ही करें तो बेहतर है. ध्यान रखें कि कमरे का वेंटिलेशन बेहतर रहे. सर्दियों में खुले में एक्सरसाइज करना दिल के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है. एक्सरसाइज के तुरंत बाद घर से बाहर न निकलें, इससे शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है.

स्पाइरोमेट्री का इस्तेमाल करें

स्पाइरोमेट्री से फेफड़ों को मजबूत करें. यह फेफड़ों की एक्सरसाइज है. अगर आपको बार-बार सांस फूलने की दिक्कत का सामना करना पड़ता है तो स्पाइरोमेट्री का इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प है. स्पाइरोमेट्री एक डिवाइस की तरह होती है, जिसमें पाइप के जरिए फूंक मारनी होती है. इससे फेफड़ों के काम करने की क्षमता बढ़ती है.

मास्क जरूर लगाएं

ऐसे बुजुर्ग मरीज जो कोविड के बाद अभी भी फेफड़ों से जुड़ी दिक्कतों से जूझ रहे हैं, वो बाहर निकलने पर मास्क जरूर लगाएं. यह कई तरह से मरीजों की मदद करता है. पहला, यह धुएं और पॉल्युशन के कारण होने हवा में मौजूद बारीक कणों को शरीर में पहुंचने से रोकता है. दूसरा, यह संक्रमण का खतरा भी घटाता है.

पल्स ऑक्सीमीटर से चेक करें लेवल

एक्सपर्ट कहते हैं, सर्दियों में मौसम में ऑक्सीजन का लेवल जांचना बेहद जरूरी है क्योंकि ठंड के कारण सांस की नलियां सिकुड़ जाती हैं. शरीर में ऑक्सीजन का लेवल कितना है, यह खतरनाक लेवल पर है या सामान्य से थोड़ा कम या ज्यादा, इसकी सटीक जानकारी पल्स ऑक्सीमीटर से मिलती है. हर दिन एक बार पल्स ऑक्सीमीटर से अपने ऑक्सीजन लेवल को चेक करें.

गहरी सांस वाले व्यायाम करें

फेफड़ों को मजबूत करने के लिए जितना स्पायरोमेट्री काम करती है, उतने ही बेहतर तरीके से गहरी सांस वाले व्यायाम असर डालते हैं. इसके लिए प्राणायाम और अनुलोम-विलोम करें. प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने का काम करता है. ध्यान रखें कि हमेशा खाली पेट की प्राणायाम करें. रोजाना कम से कम 10 मिनट प्राणायाम करें. वहीं, अनुलोम-विलोम शरीर में ऑक्सीजन के साथ ब्लड के सर्कुलेशन को बढ़ावा देने का काम करता है.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> गुरूवार 21 अप्रैल, 2022

सूचना एवं जनसम्पर्क सेवा के 35 अधिकारियों का स्थानांतरण

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार ने बुधवार को आदेश जारी कर सूचना एवं जनसम्पर्क सेवा के 35 अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन किए है।

आदेश के अनुसार नर्बदा इन्दोरिया को उपनिदेशक, आयोजना, मुख्यालय जयपुर, मनमोहन हर्ष को उप निदेशक, पंजीयन, मुख्यालय, जयपुर, डॉ. लोकेश चन्द्र शर्मा को उप निदेशक, साहित्य, मुख्यालय, जयपुर, रजनीश शर्मा, उप निदेशक को पंचायती राज विभाग, जयपुर, श्रवण कुमार, उप निदेशक को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जयपुर, क्षिप्रा भटनागर, उप निदेशक को राज. स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर, मो. मुस्तफा शेख, सहायक निदेशक को जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर, तरूण जैन, सहायक निदेशक को सीएनडी शाखा, मुख्यालय, जयपुर, अभिषेक कुमार जैन, सहायक निदेशक को राज. आवासन मण्डल, जयपुर, जसराम मीणा, सहायक निदेशक को मुख्यालय, जयपुर के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

इसी प्रकार डॉ. रविन्द्र सिंह, सहायक निदेशक को कृषि विभाग, जयपुर, ब्रजेश कुमार सामरिया, सहायक निदेशक को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, भरतपुर, मान सिंह मीणा, सहायक निदेशक को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जयपुर, हेत प्रकाश शर्मा, सहायक निदेशक को सीएनडी शाखा, मुख्यालय, जयपुर, हेमन्त सिंह, सहायक निदेशक को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, सवाईमाधोपुर, श्रीमती रचना शर्मा, सहायक निदेशक को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, कोटा, अमन दीप, जनसम्पर्क अधिकारी को मुख्यमंत्री कार्यालय, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ, जयपुर, सुरेन्द्र कुमार सामरिया, जनसम्पर्क अधिकारी को मुख्यमंत्री कार्यालय, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ, जयपुर, देवेन्द्र प्रताप सिंह, जनसम्पर्क अधिकारी को मुख्यमंत्री कार्यालय, जनसम्पर्क प्रकोष्ठ, जयपुर, प्रमोद वैष्णव, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, जैसलमेर एवं सोहन लाल, जनसम्पर्क अधिकारी को राज. कौशल एवं आजीविका विकास निगम, जयपुर के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

इसी प्रकार संतोष कुमार मीना, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, बूंदी, विपुल कुमार शर्मा, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, चित्तोड़गढ़, प्रवेश परदेशी, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, उदयपुर, हेमन्त छीपा, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, भीलवाड़ा, सूरज कुमार बैरवा, जनसम्पर्क अधिकारी को सीएनडी शाखा, मुख्यालय, जयपुर, योगेन्द्र शर्मा, जनसम्पर्क अधिकारी को सीएनडी शाखा, मुख्यालय, जयपुर, श्रीमती सपना शाह, जनसम्पर्क अधिकारी को सीएनडी शाखा, मुख्यालय, जयपुर, मनीष जैन, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, भरतपुर, संतोष कुमावत, जनसम्पर्क अधिकारी को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जयपुर, अनुप्रिया, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, झालावाड़, श्रीमती धर्मिता चौधरी, जनसम्पर्क अधिकारी को नगर निगम, जयपुर, राम सिंह, जनसम्पर्क अधिकारी को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (आई.ई.सी.) विभाग, जयपुर, राजेश यादव, जनसम्पर्क अधिकारी को सीएनडी शाखा, मुख्यालय, जयपुर, रविन्द्र वैष्णव, जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, पाली के पद पर स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया गया है।

इसके अलावा अतिरिक्त निदेशक, श्रीमती अलका सक्सेना को पंजीयन शाखा, पत्रकार कल्याण कोष, मेडिक्लेम, आर्थिक सहायता, सीएमआईएस, कोर्ट केस, अभिलेखागार, नीतिगत निर्णय एवं अतिरिक्त निदेशक, अरूण कुमार जोशी को समाचार शाखा, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, सोशल मीडिया, आरटीआई, संयुक्त निदेशक, शिव चन्द मीणा को क्षेत्रीय प्रचार, संयुक्त निदेशक, ओम प्रकाश चन्द्रोदय को विज्ञापन, संयुक्त निदेशक, महेश चन्द्र शर्मा को प्रशासन, भण्डार, उप निदेशक, नर्बदा इन्दोरिया को आयोजना व पत्रकार कल्याण, मुख्यालय, जयपुर सहायक निदेशक, गणपत सिंह नारोलिया को पंजीयन शाखा, विज्ञापन (भुगतान), मुख्यालय, जयपुर, सहायक निदेशक, जसराम मीणा को पत्रकार कल्याण शाखा, मुख्यालय, जयपुर, सहायक निदेशक हेत प्रकाश शर्मा को मुख्यालय, जयपुर, उद्योग विभाग बीट एवं जनसम्पर्क अधिकार, राजेश यादव को मुख्यालय जयपुर, टीएडी विभाग बीट का नवीन कार्य सौंपा गया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, अजमेर के जनसम्पर्क अधिकारी, संतोष कुमार प्रजापति को अपने पद के कार्य के साथ-साथ सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, ब्यावर का कार्य भी अतिरिक्त रूप से दिया गया है।

हम सबको गर्व कि हम हिंदू हैं, बीजेपी का हिंदुत्व चुनाव जीतने के लिए: मुख्यमंत्री गहलोत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिंदू और हिंदुत्व पर नया बयान देकर फिर बहस छेड़ दी है। गहलोत ने कहा- बीजेपी के नेता हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की बात करते हैं। इनका हिंदुत्व और राष्ट्रवाद चुनाव जीतने के लिए है। हमारा हिंदुत्व धार्मिक मान्यता के लिए है। हम सबको गर्व है कि हम हिंदू हैं। महात्मा गांधी ने भी यही कहा था कि हमें हिंदू होने का गर्व है। हिंदू होने के साथ हम सब धर्मों का सम्मान करते हैं। दूसरे धर्मों का सम्मान करने से समाज में प्रेम रहेगा। हिंसा नहीं होगी। देश विकास करेगा। गहलोत बुधवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गहलोत ने नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के रावण और सीता पर दिए बयान को लेकर भी निशाना साधा। गहलोत ने कहा गुलाबचंद कटारिया ने पहले महाराणा प्रताप के बारे में बोला, अब रावण का उदाहरण देने के लिए सीता ही मिली क्या? कटारिया मेंटली डिस्टर्ब्ड लगते हैं। लगता है उन्हें पार्टी में सम्मान नहीं मिल रहा तो वे परेशान हो जाते हैं। कुछ तो कारण जरूर है। कटारिया मीडिया के सामने ऐसे-ऐसे शब्द काम लेते हैं जो सोच नहीं सकता। वे बुजुर्ग

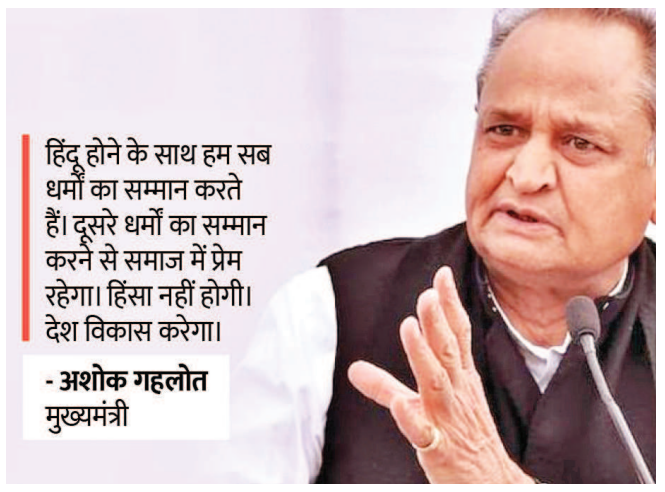

हैं, भले वे आरएसएस कैडर के हो, मैं उनका सम्मान करता हूं। मैंने भी उन्हें कई बार समझाया कि आप बिलो द बेल्ट वार मत किया करो, लेकिन वे मान ही नहीं रहे। गहलोत ने कहा महाराणा प्रताप के बारे में उन्होंने क्या-क्या बोल दिया? क्या राजस्थान के लोग उसे भूल सकते हैं, छत्तीस कौम में खासकर राजपूत कम्युनिटी में भारी गुस्सा है। क्या हिंदू इसे बर्दाश्त करेंगे क्या? ये हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की बातें करते हैं। इनका हिंदुत्व केवल चुनाव जीतने के लिए है। गहलोत ने कहा केंद्र की सत्ता में हिंसा को बढ़ावा देने वाले लोग हैं। सत्ता पक्ष हिंसा को रोकता है। पीएम को आगे आकर कहना चाहिए कि किसी भी कीमत पर हम हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेंगे। यहां उल्टी गंगा बह रही है। सांसदों को कहा जा रहा है कि आप धमाल पट्टी करें। पीएम राजस्थान के सांसदों से कहते हैं कि किरोड़ीलाल मीणा की तरह धमाल पट्टी करो। गहलोत पीएम, गृह मंत्री पर अटैक कर रहा है तो आप भी गहलोत पर अटैक कीजिए। धमाल पट्टी करके जवाब देने को कहा जाता है।

पीके एक प्रोफेशनल हैं, नाम बड़ा हो गया है

जयपुर। कांग्रेस में प्रशांत किशोर (पीके) की एंट्री और रणनीति को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अलग लाइन पर बयान दिया है। उन्होंने कहा पहले भी ऐसे एक्सपर्ट्स से राय ली जाती रही है। पीके से कांग्रेस में रणनीतिक चर्चा को गहलोत ने प्रोफेशनल एजेंसी की राय से ज्यादा कुछ मानने से इनकार कर दिया है। गहलोत का यह बयान दिल्ली से लेकर जयपुर तक सियासी चर्चाओं का विषय बन गया है। गहलोत के इस बयान के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। सोनिया गांधी के आवास पर बैठक से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली में कहा- प्रशांत किशोर जी के बारे में जो सवाल है। वो देश के अंदर एक ब्रांड बन गए हैं। 2014 के अंदर पार्लियामेंट में मोदी जी के साथ थे, फिर वो नीतीश जी के साथ गए, फिर वो पंजाब में कांग्रेस के साथ गए। ये तो एक प्रोफेशनल काम है। कई एजेंसियां और भी हैं। उनसे भी संपर्क होते रहते हैं। क्योंकि प्रशांत किशोर का नाम, पीके का नाम बड़ा हो गया, इसलिए आप लोगों के लिए न्यूज है। हर व्यक्ति का अनुभव काम लेना ही चाहिए। विपक्ष को भी बल्कि सत्ता वाली पार्टी भी काम लेती है। गहलोत ने कहा हम लोग भी लगातार ऐसी एजेंसियों या एक्सपर्ट्स से राय लेते रहते हैं। पीके का नाम बड़ा हो गया तो वो चर्चा में आ गया बस। इतना मैं मानता हूं। अगर उसका अनुभव काम आता है मान लो। विपक्ष को मोदी सरकार के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने में तो अच्छा है। इसकी आज जरूरत है। प्रशांत किशोर को कांग्रेस में ज्यादा महत्व मिलने और उन्हें पार्टी की पूरी चुनावी रणनीति तय करने में फ्री हैंड मिलने के नरेटिव पर रिएक्शन देकर सियासी मैसेज दिया है। कांग्रेस में नेताओं का एक बड़ा वर्ग है। जो प्रशांत किशोर को रणनीति तय करने में अहमियत दिए जाने के विरोध में है।

कांग्रेस में प्रशांत किशोर की एंट्री तय

कांग्रेस में प्रशांत किशोर की एंट्री तय हो गई है। बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से कह दिया है कि प्रशांत किशोर पार्टी में शामिल होंगे और 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाने का काम करेंगे। सूत्रों के मुताबिक प्रशांत किशोर को पार्टी महासचिव का रोल दिया जा सकता है। वे स्ट्रैटजी और अलायंस पर काम करेंगे। अगर ऐसा होता है तो कांग्रेस में पहली बार इस तरह के पद बनाए जाएंगे। यानी 2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रशांत कांग्रेस की चुनावी रणनीति और दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन पर फैसला करेंगे।

भगवान परशुराम जयंती महोत्सव का शुभारम्भ, गणेश निमंत्रण एवं स्टीकर का किया विमोचन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से मोती डूंगरी स्थित गणेश जी के मंदिर में आज प्रातः 9.00 बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच गणेश निमंत्रण के साथ 21 दिन तक सम्पूर्ण प्रदेश में चलने वाले भगवान परशुराम जयंती समारोह की विधिवत शुरुआत हुई है।

जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत ने बताया कि सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने सपत्नीक श्रीमती नीलम मिश्रा, संत-महंतों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्रथम पूज्य भगवान गणपति को निमत्रिंत किया और समारोह की सफलता के लिये गणपति की पूजा की।

इस अवसर पर मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा ने विधि विधान से गणेश जी को निमंत्रित किया गया एवं उपस्थित विद्वान पण्डितों ने मंत्रोच्चारण के साथ सस्वर पाठ किया। इस अवसर पर पं. सुरेश मिश्रा, मोती डूंगरी गणेश मंदिर के महंत कैलाश शर्मा, घाट के बालाजी मंदिर के मंहत सुदर्शनाचार्य जी, महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य, महामंडलेश्वर महंत पं. पुरुषोत्तम भारती, लाडली जी मंदिर के महंत संजय गोस्वामी, सर्व ब्राह्मण महासभा के संरक्षक एच.सी. गणेशिया, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा, जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत, युवा संभाग अध्यक्ष दिनेश शर्मा, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एड. कमलेश शर्मा, प्रमुख ज्योतिषी पं. मुकेश भारद्वाज, ने पूजा अर्चना कर गणेश निमंत्रण किया। इस अवसर पर एक रंगीन स्टीकर और भगवान परशुराम जी को कट आउट का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद मुकेश शर्मा, विक्रम स्वामी, महिला प्रकोष्ठ की उपाध्यक्ष पूजा पाठक, विजय भास्कर, सुनील शर्मा, मनोज मिश्र, हवा महल के अध्यक्ष लक्ष्मण शर्मा, सतवीर भारद्वाज, श्याम शास्त्री, कैलाश शर्मा खोर, कैलाश शर्मा विधानसभा, कैलाश गुरूजी, राधेश्याम शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, सुनील गौड़, डॉ. गोविन्द मिश्रा, मनोज जोशी अध्यक्ष मालवीय नगर, प्रताप नगर के अध्यक्ष अमरचंद कटारा, उमाशंकर शर्मा, सनोज मिश्रा, रविन्द्र शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, सहित बडी संख्या में स्टीकर विमोचन समारोह में उपस्थित थे। विमोचन समारोह में प्रमुख रूप से महासभा के लगभग 200 ब्राह्मण समाज के विभिन्न ब्लॉकों के पदाधिकारी एवं गणमान्य विप्र बन्धु इस अवसर पर उपस्थित थे। ब्राह्मण युवाओं ने गणेश जी महाराज और भगवान परशुराम के जयकारे के नारे लगाये।

इस अवसर पर राष्ट्रीय पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि 21 दिन तक चलने वाले इस समारोह का विधिवत शुभारम्भ आज हो गया है और पूरे प्रदेश में शोभा यात्रा कीर्तन सम्मान समारोह सहित विभिन्न कार्यक्रम 21 दिन तक चलेंगें।

खतरनाक अमेरिकन बुली कुत्ते ने बच्चे को बुरी तरह काटा

घर के बाहर खेल रहा था मासूम, चीख सुनकर लोगों ने बचाया

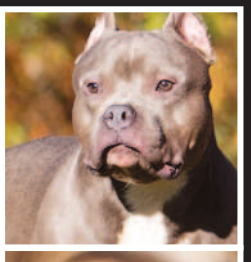

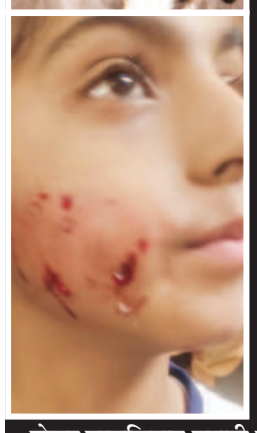

जयपुर। एक बार फिर खतरनाक अमेरिकन बुली कुत्ते का आतंक सामने आया है। कुत्ता घर के बाहर खेल रहे 9 साल की बच्चे पर टूट पड़ा। नाखून और दांत से उसके चेहरे को नोंच डाला। आस-पास मौजूद लोगों ने किसी तरह बच्चे को कुत्ते से छुड़ाया। घायल बच्चे को हॉस्पिटल पहुंचाया। मामला रामगंज इलाके का है। एसएचओ रामगंज भूरी सिंह ने बताया कि खालसा कॉलोनी हीदा की मोरी निवासी मनजीत सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। कॉलोनी में रहने वाले बालकिशन सहानी ने अमेरिकन बुली कुत्ता पाल रखा है। सरकार की ओर से प्रतिबंध होने के बाद भी कुत्ते को पालने के लिए रखा है। कुत्ते को कॉलोनी में खुले आम घूमाने को लेकर बालकिशन सहानी को कई बार मना किया। लोगों के मना करने के बाद भी कुत्ते को कॉलोनी में खुला छोड़ देता है। नाखून और दांत से चेहरा नोंचा: मनजीत सिंह का 9 साल की बेटा जपमन सिंह घर के बाहर क्रिकेट खेल रहा था। कॉलोनी में खुला घूम रहा अमेरिकन बुली दौड़कर उसके बेटे के पास आ गया। कुत्ते ने नाखून और दांत से बेटे का चेहरा नोंच खाया। दर्द से बेटा जोर-जोर से चिल्लाने लगा। आवाज सुनकर बचाने दौड़े। कुत्ते को वहां से भागकर घायल बेटे को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया।

जैसलमेर किले की खुदाई में सोना मिलना बताकर नकली बेच रहे थे, दो गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

बाड़मेर। जैसलमेर किले की खुदाई में 4 किलो सोना मिलना बताकर मात्र चार लाख में ग्रामीण से सौदा कर रहे जालौर जिले में थाना बागड़ा क्षेत्र के गांव नादिया निवासी दरगा राम पुत्र चौपाल राम बागरी (25) एवं गांव पमाणा थाना झाब निवासी मंगलाराम बागरी पुत्र रगाराम (32) को थाना सदर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बाड़मेर एसपी दीपक भार्गव ने बताया कि बुधवार को मुखबिर से सूचना मिली की गांव डूगेरो का तला में दो व्यक्ति जैसलमेर के किले की खुदाई में 4 किलो सोना मिलना बताकर एक ग्रामीण से 4.50 लाख में सौदा कर रहे हैं। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह व सीओ आनंद सिंह के सुपरविजन एवं थानाधिकारी अनिल कुमार के नेतृत्व में एसआई जितेंद्र सिंह व अन्य की एक विशेष टीम गठित की गई। सूचना मिलते ही सबसे पहले पुलिस ने तुरंत जनसंपर्क कर ग्रामीणों को ठगी होने के प्रति सजग किया और तुरंत मौके पर पहुंचे। जहां एक ग्रामीण को नकली सोना देकर कर दोनो ठगों दरगा राम व मंगला राम को गिरफ्तार कर नकली सोने जैसी धातु बरामद की गई है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिससे अन्य वारदातें खुलने की पूरी संभावना है। मौके पर मिले ग्रामीण केसर सिंह ने पुलिस को एक लिखित रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि आज सुबह उसे दो व्यक्ति मिले। जिन्होंने खुदाई में 4 किलो सोना मिलना बताया ओर दो सोने के टुकड़े दिए। जिसकी जांच करवाई तो वह सही निकला। फिर विश्वास में लेकर 4.50 लाख में पूरा सोना बेचने का सौदा किया।

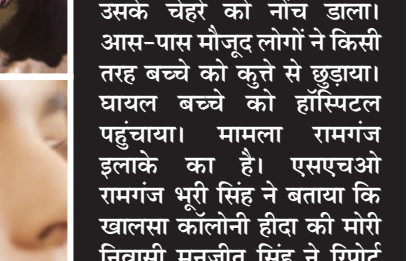

सीएम अशोक गहलोत ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

जल जीवन मिशन की समय सीमा 2026 तक बढ़ाने का आग्रह

हिलव्यू समाचार

जयपुर. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जनहित में जल जीवन मिशन को पूरा करने की समय सीमा 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है. गहलोत ने कहा कि मिशन के शुरूआती दिनों में मार्च 2020 से जुलाई 2020 तक कोविड-19 महामारी के चलते लॉकडाउन के कारण जल जीवन मिशन की गति काफी धीमी रही. इसके बाद वर्ष 2021 में भी कोविडजन्य परिस्थितियों के कारण मार्च 2021 से जुलाई 2021 तक मिशन के कार्य आंशिक रूप से बाधित रहे.

मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि पूरे देश में चल रहे मिशन के कार्यों के कारण परियोजना के घटकों की मांग में काफी वृद्धि हुई है. विशेष रूप से स्टील, डीआई एवं एचडीपीई पाइपों की मांग तेजी से बढ़ी है. इसके परिणामस्वरूप घटकों की आपूर्ति में अस्थिरता आई है, इस कारण से भी जल जीवन मिशन परियोजनाओं की प्रगति धीमी हुई है. मुख्यमंत्री ने कहा है कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में सबसे बड़ा राज्य है और यहां की अतिविषम भौगोलिक परिस्थिति एवं छितराई हुई बसावट है. प्रदेश का दो-तिहाई हिस्सा मरूस्थलीय है तथा दक्षिण में पहाड़ी क्षेत्र है. ऐसे कठिन इलाकों के लिए परियोजनाओं की समय-सीमा पूर्व में 30 से 48 माह थी, परन्तु अब इसे घटाकर 12 से 24 माह कर दिया गया है. इस कारण लक्ष्य को हासिल करना और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

गहलोत ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि बारां, झालावाड़ एवं कोटा की परवन अकावद जलापूर्ति परियोजना, बाड़मेर जिले में नर्मदा नहर आधारित परियोजना के लिए राजस्थान ग्रामीण जलापूर्ति और फ्लोरोसिस शमन परियोजना (चरण- द्वितीय), झुन्झुनूं जिले के आईजीएमसी आधारित (सीपी- प्रथम) सूरजगढ़ और उदयपुरवाटी को नल द्वारा जल उपलब्ध करवाने हेतु योजना, जिला चित्तौड़गढ़ के 648 गांवों को चम्बल नदी से पेयजल आपूर्ति की परियोजना, ईसरदा-दौसा पेयजल जलापूर्ति परियोजना, नौनेरा जलापूर्ति परियोजना, चम्बल नदी से जलापूर्ति योजना जैसी वृहद् परियोजनाओं का कार्य 24 माह में पूर्ण होने की संभावना बहुत कम है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि रूस तथा यूक्रेन से युद्ध के कारण कई वस्तुओं के दाम में भी अप्रत्याशित वृद्धि हुई है. इससे कार्यों के क्रियान्वयन में भी कठिनाइयां आ रही है. गहलोत ने इन सब स्थितियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री से जल जीवन मिशन की समय सीमा को 31 मार्च, 2026 तक बढ़ाए का अनुरोध है, ताकि इस मिशन का लाभ प्रत्येक परिवार को मिल सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**